राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 24 अप्रैल 2024 वर्ष–7,अंक–90 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

रिपोर्ट में हुआ खुलासा- जहर से नहीं हुई मुख्तार अंसारी की मौत

बांदा। बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की 28 मार्च 2024 (गुरुवार) को देर रात मौत हो गई थी। इसको लेकर आरोप लग रहे थे कि मुख्तार अंसारी को जहर दिया गया है। अब विसरा की जांच रिपोर्ट सामने आ गई है, जिसमें जहर से मरने की पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल विसरा रिपोर्ट को न्यायिक टीम को सौंप दी गई है। इससे पहले बांदा जेल में मुख्तार अंसारी की मौत को लेकर उनके भाई, बेटे और परिजनों ने मुख्तार को जेल में जहर देने का आरोप लगाया था। जिसके लिए प्रशासनिक व न्यायिक जांच बैठी थी। जानकारी के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार मुख्तार अंसारी की हार्ट अटैक से मौत होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद भी जहर देने के शक में विसरा लखनऊ जांच के लिए भेजा गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मुख्तार अंसारी की विसरा जांच रिपोर्ट आने के बाद इसे न्यायिक जांच टीम को भेजा गया है। रिपोर्ट में जहर देने की पुष्टि नहीं की गई है।बता दें कि बांदा जेल की बैरक में मुख्तार अंसारी की तबीयत खराब होने पर जेल प्रशासन रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले आए थे जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही थी। सूचना मिली कि मुख्तार को आईसीयू से सीसीयू में भर्ती करना पड़ा। यहां मुख्तार के इलाज में 9 डॉक्टरों की टीम लगाई गई थी। हालांकि, मुख्तार की जान नहीं बच सकी। इससे पहले मंगलवार को उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने कब्ज की समस्या बताई थी और इलाज के बाद उसी दिन कारागार भेज दिया था।

नगालैंड में भारत सरकार के खिलाफ विद्रोह?

- पिछले दो माह से आंदोलन, सरकारी कामकाज ठप्प

कोहिमा। कोहिमा में पिछले दो माह से पृथक फ्रंटियर नगालैंड बनाने की मांग हो रही है। नागालैंड के मोन, देसांग, किफरे,लोंगलेग,नौकलॉक और शामाटोर के 6 जिलों में पिछले 2 महीने से आंदोलन चल रहा है। यहां के बाजार बंद है। आंदोलनकारियों की अनुमति से कभी-कभी बाजारों को खोल दिया जाता है। सरकारी कार्यालय में कर्मचारी नहीं पहुंच रहे है। केंद्र सरकार की ओर से कोई पहल नहीं की जा रही है। जिसके कारण नगालैंड मे पिछले 2 महीने से केंद्र सरकार के खिलाफ आंदोलन चल रहा है।

लोकसभा के चुनाव में मतदान नहीं

19 अप्रैल को यहां पर लोकसभा का मतदान होना था। एक भी मतदाता ने अपना वोट नहीं डाला। यहां तक की 6 जिलों के 20 विधायकों ने भी लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं किया। चुनाव आयोग ने 738 मकान केंद्र बनाए थे। सभी 6 जिलों ने पूरी तरह से मतदान का बहिष्कार किया। नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो का कहना है,वह स्थानीय लोगों की मांग से सहमत है। उन्होंने जो किया वह ठीक ही किया। नगालैंड की सरकार आंदोलनकारी से कोई टकराव नहीं लेना चाहती है। उल्लेखनीय है,पूर्वी नागालैंड पीपल्स ऑर्गेनाइजेशन की धमकी का असर मतदान में देखने को मिला। विधायकों अथवा मतदाताओं ने मतदान का विरोध करके, केंद्र सरकार को चेतावनी दी है।

पीएम मोदी के खिलाफ शिकायत करने आयोग पहुंची कांग्रेस

नई दिल्ली । पीएम नरेंद्र मोदी के 21 अप्रैल को राजस्थान के बांसवाड़ा वाले भाषण के बाद चुनाव आयोग की भूमिका पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। पीएम मोदी के दावों की कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित पार्टी के नेताओं ने कड़ी आलोचना कर उन्हें झूठा बताया है। कांग्रेस मामले में चुनाव आयोग भी पहुंची है। बीजेपी के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन से जुड़ी 16 शिकायतें कांग्रेस ने चुनाव आयोग को सौंपी हैं। पीएम मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के एक पुराने भाषण का हवाला देकर मुसलमानों पर टिप्पणी की थी, जिसमें उन्हें घुसपैठिए और ज्यादा बच्चे पैदा करने वाला कहा गया था। हालांकि पीएम मोदी ने मनमोहन सिंह के जिस 18 साल पुराने भाषण का ज़िक किया है, उसमें मनमोहन ने मुसलमानों को पहला हक देने की बात नहीं कही थी। मनमोहन ने 2006 में कहा था, अनुसूचित जातियों और जनजातियों को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। हमें नई योजनाएं लाकर ये सुनिश्चित करना होगा कि अल्पसंख्यकों और खासकर मुसलमानों का भी उत्थान हो सके, विकास का फायदा मिल सके। इन सभी का संसाधनों पर पहला दावा होना चाहिए। मनमोहन ने अंग्रेजी में दिए गए भाषण में क्लेम शब्द का इस्तेमाल किया था। पीएम मोदी के बयान की आलोचना ये कहकर भी हो रही है कि वे कैसे देश के करीब 20 करोड़ मुसलमानों के लिए घुसपैठिया शब्द इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं बीजेपी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा, इंडी अलायंस के लिए जो भारत में गैर-कानूनी ढंग से घुसते हैं, वे देश की जनता से ज़्यादा महत्वपूर्ण हैं। इस मामले में राजनीतिक शिकायतों के अलावा, आम नागरिकों ने भी चुनाव आयोग से मांग की है कि इस हेट स्पीच के लिए पीएम मोदी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इन सारी आलोचनाओं के केंद्र में फिर आयोग की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

पीएम बोले- हर तरफ एक ही गूंज फिर एक बार मोदी सरकार

ईमानदार सरकार ही देश का कर सकती है विकास

जयपुर । (एजेंसी)

पीएम मोदी ने विजय शंखनाद रैली में टोंक सवाई माधोपुर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनापुरिया के समर्थन में जनता को सम्बोधित करते हुए कहा कि हर तरफ एक ही गूंज फिर एक बार मोदी सरकार. जब-जब हम बंटे है, तब-तब देश के दुश्मनों ने फायदा उठाया है स्थिर और ईमानदार सरकार विकास के लिए क्या सकती है, 10 वर्षों में सबने देखा है. 10 साल में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले है। पीएम ने कहा कि आज बजरंगबली की जयंती है और मेरा सौभाग्य है. कि आज शूरवीरों की धरती पर आने का सौभाग्य मिला है. सभा का समय पहले दे दिया था लेकिन अभी तक भी लोगों का हुजूम उमड़ रहा है. लगता है कि यह हुजूम सभा समाप्त होने तक आता रहेगा. और ये जोश साबित करता है कि अबकी बार 400 पार। पीएम मोदी ने लोक देवताओं के जयकारे से अपना सम्बोधन शुरू करते हुए कहा कि 2014, 2019 में राजस्थान ने भाजपा को आशीर्वाद दिया। राजस्थान ने 25 सीटें देकर भाजपा की झोली भर दी। आपके वोट ने देश को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। ईमानदार सरकार देश का विकास कर सकती है। राजस्थान के लोगों को बांटने की कोशिश हो रही है। इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनपुरिया को कांग्रेस के उनियारा विधायक हरीश मीणा तगड़ी चुनौती दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 2014 में आपने मोदी को दिल्ली में सेवा का अवसर दिया तो देश ने वह फैसले लिए जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी लेकिन अगर कांग्रेस 2014 के बाद भी और आज भी अगर दिल्ली में होती तो क्या-क्या हुआ होता। कांग्रेस होती तो जम्मू-कश्मीर में आज भी हमारी सेनाओं पर पत्थर चल रहे होते, कांग्रेस होती तो सीमा पार से आकर दुश्मन आज भी हमारे जवानों के सिर काटकर ले जाते और कांग्रेस सरकार कुछ न करती, हमारे सैनिकों के लिए वन रैंक-वन पेंशन लागू नहीं होता, देश के कोने-कोने में बम धमाके होते ही रहते। कांग्रेस होती तो अपने लिए भ्रष्टाचार के नए रास्ते तलाशती।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टोंक में कहा, एकता ही राजस्थान की सबसे बड़ी पूंजी है। जब-जब हम बंटे हैं तब-तब देश के दुश्मनों ने फायदा उठाया है। अब भी राजस्थान और यहां के लोगों को बांटने की पूरी कोशिश हो रही है, इससे राजस्थान को सावधान रहने की जरूरत है।

–आर्मी हेडक्वार्टर पर दागे 35 रॉकेट

हिजबुल्लाह ने किया इजराइल पर मिसाइल से हमला

नई दिल्ली । (एजेंसी)

ईरान-इजरायल में जारी तनातनी के बीच इजराइल पर फिर से मिसाइल की बौछारें हुई हैं।इस बार ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने इजराइल पर मिसाइल से हमला कर दिया है। हमास के सहयोगी और ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने दावा किया कि उसने इजरायल के आर्मी हेडक्वार्टर को निशाना बनाया बनाकर दर्जनों कत्युशा रॉकेट से हमला किया है। इजरायली सेना और ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के बीच लगभग रोजाना सीमा पार से गोलीबारी हो रही है।लेकिन इस बार हिजबुल्लाह ने इजरायली सेना के हेडक्वार्टर को निशाना बनाया है।फिलहाल, इजरायल-ईरान तनाव अब तक के उच्चतम स्तर पर है और इसी बीच लेबनानी शिया चरमपंथी समूह हिजबुल्लाह ने सीमा पार इजरायली सैन्य ठिकानों पर अपने हमले तेज कर दिए हैं.हिजबुल्लाह ने अपने बयान में कहा कि उसने दर्जनों कत्युशा रॉकेटों के साथ इजरायली ईन जीटिम बेस पर 91वें डिवीजन के तीसरे इन्फैंट्री ब्रिगेड के मुख्यालय पर बमबारी की है।हिजबुल्लाह का यह हमला लेबनान के दक्षिणी गांवों और नागरिक घरों पर इजरायली हमलों के जवाब में है।

एक समाचार एजेंसी ने सोमवार को तीन गांवों पर इजरायली हमले की सूचना दी थी.वहीं, इजरायली सेना ने कहा कि लेबनान से उत्तरी इजरायल के ईन जीटिम क्षेत्र में प्रवेश करने वाले लगभग 35 रॉकेटों की पहचान की गई और इस हमले में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।इजरायली सेना ने आगे कहा कि उसकी सेना ने दागे गए रॉकेट के सोर्स पर हमला किया है। बता दें कि 7 अक्टूबर के बाद से लेबनान में 376 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से सबसे अधिक हिजबुल्लाह के लड़ाके हैं और 70 आम नागरिक हैं।वहीं, इजरायल की तरफ से 10 जवान और 8 नागरिकों की मौत हो चुकी है।हिजबुल्लाह का इजरायल के साथ आखिरी बड़ा युद्ध 2006 में हुआ था। 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमास के अभूतपूर्व हमले के बाद से गाजा में युद्ध जारी है।

क्रेडिट स्कोर कम तो पर्सनल लोन मिलना मुश्किल

- ऋण आवेदन में जोड़े सह-आवेदक तो तुरंत पास होगा लोन

नई दिल्ली।

अगर आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा है तो आसानी से कोई भी बैंक आपको पर्सनल लोन दे देता है। वहीं, क्रेडिट स्कोर कम है तो आपको पर्सनल लोन मिलने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आपको लगाता है कि बैंक कम क्रेडिट स्कोर के आधार पर आपके पर्सनल लोन का आवेदन अस्वीकार कर सकता है, तो ऋण आवेदन में एक सह–आवेदक जोड़ें, जिससे क्रेडिट स्कोर की संभावना बढ़ जाएगी। लेकिन इसके लिए आपको यह ध्यान रखना होगा कि जिस सह–आवेदक को अपना जोड़ा है वह परिवार का कमाऊ सदस्य होना चाहिए यानी उसकी आमदनी अच्छी होनी चाहिए। सह–आवेदक किसी प्रतिष्ठित कंपनी या सार्वजनिक क्षेत्र के संगठन का कर्मचारी होगा तो लोन मिलने होने की संभावना बढ़ जाती है और बैंक या ऋणदाता आपके आवेदन को नामंजूर करने के लिए आपके सिविल स्कोर को कारण नहीं बना सकता है। बैंकों और एनबीएफसी को मालूम रहता है कि बड़ी प्रतिष्ठित कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में रोजगार में दूसरों की तुलना में अधिक आय निश्चितता होती है।पर्सनल लोन लेते समय, अधिकांश ऋणदाता कम ऋण–से–आय अनुपात की तलाश करते हैं, अधिमानतः 40फीसदी से कम क्योंकि यह लोन आवेदक के आय स्तर के लिए संतुलित लोन होता है। आपको लगता है कि बैंकों से आपको पर्सनल लोन नहीं मिल पाएगा। तो एनबीएफसी या फिनटेक कंपनी में भी लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं। इनकी शर्तें कुछ हद तक बैंकों और एनबीएफसी कंपनी के मुकाबले लचीली होती हैं।

बिना चुनाव लड़े सूरत सीट हारी कांग्रेस अब हुई सक्रिय

विदेशी मुद्रा भंडार पहुंचा 642.631 अरब डॉलर

-चुनाव आयोग से की शिकायत, दोबारा चुनाव कराने की मांग

नई दिल्ली। (एजेंसी)

गुजरात मे सूरत से कांग्रेस के उम्मीदवार निलेश कुम्भानी का नामांकन रद्द होने से बीजेपी उम्मीरवार मुकेश दलाल की निर्विरोध जीत विवादों में आ गई है। इस सीट पर बचे 8 उम्मीदवारों के नाम वापस लेने के बाद अब इस मामले में कांग्रेस ने चुनाव आयोग में शिकायत की है।

कांग्रेस का आरोप है कि अनुचित प्रभाव के चलते बीजेपी उम्मीदवार को विजय घोषित कर दिया गया है। कांग्रेस ने आयोग से मांग है कि इस सीट पर नए सिरे से चुनाव कराए जाएं। कांग्रेस का दावा है कि बीजेपी कारोबारी समुदाय से डर गई जिस वजह से उसने सूरत लोकसभा सीट पर मैच फिक्सिंग का प्रयास किया है।

कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के अन्याय काल में लघु, छोटे और मझोलो उद्यमियों और कारोबारी समुदाय परेशान है। इनके गुस्से ने बीजेपी को इतना डरा था कि बीजेपी ने सूरत लोकसभा सीट पर मैच फिक्सिंग की। हमारे चुनाव और लोकतंत्र, बाबासाहेब आंबेडकर का संविधान खतरे में है। ये हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है। कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों से मुलाकात कर मांग की कि सूरत में चुनाव प्रक्रिया दोबारा कराई जाए। सिंघवी ने कहा कि हमने चुनाव आयोग से आग्रह किया है कि सूरत सीट पर चुनाव को स्थगित कर जल्द से जल्द दोबारा चुनाव कराए जाएं ताकि देश में एक संदेश जा सके कि कोई भी इस तरह से गलत प्रभाव डालकर चुनाव में लाभ नहीं उठा सका। सिंघवी ने कहा कि ये कोई ऐसा मामला नहीं है, जहां मामले पर चुनाव याचिका के जरिए फैसला होगा। उन्होंने कहा कि सूरत में चार प्रस्तावकों ने कांग्रेस उम्मीदवार को नॉमिनेट किया था, लेकिन चारों ने अपने हस्ताक्षरों को झुठला दिया। चारों ने इकट्ठे! ये कोई संयोग नहीं है। सिंघवी ने कहा कि हमारा उम्मीदवार कई घंटों तक गुमशुदा था और जब तक वह सामने आए तो पता चला कि बचे हुए सभी उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। हमारे उम्मीदवार का नामांकन खारिज कर दिया गया।

- पर्यटक समय बिताने के साथ ही फोटोग्राफी का ले रहे आनंद

जम्मू-कश्मीर में बिछी पीली कालीन, पर्यटकों को कर रही आकर्षित

श्रीनगर। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर जहां कभी आतंकियों की गोलियां बरसती थी अब वहां हरियाली बरस रही है। यहां हर साल कश्मीर घाटी की मनमोहक सुंदरता लाखों पर्यटकों को आकर्षित करती है। यहां हर मौसम में दुनिया के अलग-अलग देशों से पर्यटक आते हैं और वसंत उनमें से एक है। वसंत ऋतु के दौरान बाग-बगीचों और खेतों में खिले फूलों से यहां का नजारा मनमोहक नजर आता है और यह पर्यटकों को अपनी और आकर्षित कर करते हैं। सरसों के खेतों का खिलना कश्मीर में कृषि पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और पर्यटक इन पीले खेतों में फोटोग्राफी का आनंद ले रहे हैं।

इन दिनों जम्मू-कश्मीर में पीली सरसों के खेत बहुत सुंदर दिखाई दे रहे हैं, जो पर्यटकों को अपनी और आकर्षित करते हैं। हर दिन देश व विदेश के पर्यटक यहां आ रहे हैं और वे आकर्षक सरसों के खेतों में समय बिताने और फोटोग्राफी का आनंद ले रहे हैं। बता दें कुछ दिन पहले कश्मीर आने वाले लाखों पर्यटकों का लक्ष्य एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन की सुंदरता को देखना था, जिसे 23 मार्च को जनता के लिए खोला गया था, लेकिन इसके अलावा, इस साल कृषि विभाग के प्रयासों और अच्छी जलवायु से सरसों के खेत जैसे पीला कालीन बिछा हो की तरह नजर आ रहे हैं और इन खेतों की खुशबू हर दिन हजारों पर्यटकों को अपनी और खींच रही है।

पर्यटक गुलमर्ग पहलगाम और घाटी के मुगल गार्डनों का दौरा कर रहे हैं, लेकिन इस तरह के आनंद की मदद से उन्हें नए और अनोखे अनुभव मिल रहे हैं। लोगों को कश्मीर आने और घाटी की मनमोहक सुंदरता का आनंद लेने और सरसों के खेतों का दौरा करने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। इन दिनों वसंत ऋतु है और यह पर्यटकों के लिए कश्मीर की यात्रा करने और सरसों के खेतों समेत फूलों की किस्मों को देखने का सबसे अच्छा समय है जो घाटी की सुंदरता को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

स्मृति इरानी का राहुल और रॉबर्ट वाड्रा पर तंज, जीजी की सीट पर नजर.....रुमाल रखना होगा

अमेठी सीट पर कांग्रेस ने घोषित नहीं किया उम्मीदद्वार

अमेठी ।(एजेंसी)

कांग्रेस ने अमेठी लोकसभा सीट से अपने उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया है। चर्चा है कि वायनाड लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को मतदान के बाद अमेठी पर कांग्रेस फैसला कर सकती है। ऐसा इसकारण ताकि वायनाड पर फोकस करने के बाद कांग्रेस की टीम अमेठी पर जुट जाए। इस बीच केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने राहुल गांधी और उनके जीजा रॉबर्ट वाड्रा पर तंज कसा है। स्मृति इरानी ने कहा कि मैंने अमेठी में 5 सालों में ही इतना काम किया है, जितना राहुल गांधी 15 साल में नहीं कर सके थे। केंद्रीय मंत्री इरानी ने अमेठी से राहुल गांधी को बेदखल करते हुए 2019 में जीत हासिल कर ली थी।

अमेठी लोकसभा सीट पर 20 मई को मतदान होना है। वहीं राहुल गांधी के जीजा रॉबर्ट वाड्रा भी अमेठी से अपनी दावेदारी ठोक चुके हैं। उन्होंने पिछले दिनों कहा था कि अमेठी के लोग चाहते हैं कि मैं उनका प्रतिनिधित्व करूं। मुझे बड़ी संख्या में लोगों के फोन आते हैं। मैं राहुल के लिए चुनाव प्रचार करने अमेठी जाता भी रहा हूं। उनके इसी बयान पर स्मृति इरानी ने तंज कसा है। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, जीजा जी की नजर है। साले साहब क्या करेंगे। एक समय था, जब लोगों बसों में सफर करते थे, तब सीट पर रुमाल रख देते थे ताकि कोई और न बैठ जाए। राहुल गांधी को भी आकर रुमाल रखना होगा क्योंकि उनके जीजा जी की भी सीट पर नजर है।

इतना ही नहीं कांग्रेस की ओर से कैंडिडेट न घोषित करने पर केंद्रीय मंत्री इरानी ने निशाना साधा। इरानी ने कहा, क्या ऐसा कभी हुआ है? चुनाव में अब बस 27 दिन का वक्त बाकी है, लेकिन कांग्रेस ने अपना कैंडिडेट नहीं उतारा है। ऐसा अहंकार है। इन्होंने जो 15 सालों में किया था, मैंने उससे ज्यादा काम 5 साल में ही किया है। राहुल गांधी पिछली बार की तरह ही केरल की वायनाड सीट से भी लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। उनसे पिछले दिनों पूछा गया कि वह अमेठी पर क्या फैसले लेंगे। इस पर राहुल गांधी ने कहा था कि पार्टी जो भी तय करेगी, मैं उस फैसले को स्वीकार करूंगा। बता दें कि रॉबर्ट वाड्रा ने कहा था कि अमेठी के लोग मानते हैं कि उन्होंने स्मृति जी को चुनकर गलती की है। वे चाहते हैं कि गलती को सुधारा जाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जनता की सजगता से हारेगा धनबल

लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग और अन्य एजेंसियों की सक्रियता से बरामद करीब पौने पांच हजार करोड़ रुपये इस बात की ओर संकेत है कि जनतंत्र के सामने धनबल की चुनौती कितनी बड़ी हो चुकी है। विडंबना देखिये कि स्वतंत्र भारत के आम चुनावों के क्रम में यह अब तक की सबसे बड़ी नकदी की बरामदगी है। चुनाव आयोग का दावा है कि हर रोज सौ करोड़ रुपये की बरामदगी होती रही है। निश्चय ही ये हालात भारतीय लोकतंत्र के भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। आज जनप्रतिनिधि संस्थाओं में करोड़पति माननीयों की लगातार बढ़ती संख्या बताती है कि धनतंत्र का दायरा लोकतंत्र में लगातार किस हद तक बढ़ता जा रहा है। इस संकट का बढ़ना बताता है कि हमारे राजनीतिक दलों की तरफ से इस दिशा में कोई ईमानदार पहल नहीं हुई है। निन्संदेह, उस दिन चुनावों में धनबल की भूमिका गौण हो जाएगी, जिस दिन राजनीतिक दल निहित स्वार्थों को छोड़कर इस दिशा में ईमानदार कोशिश करेंगे। 21वीं सदी में भी यदि भारतीय लोकतंत्र में आम चुनावों के दौरान धनबल, बाहुबल, अफवाह तंत्र की दखल तथा आचार-संहिता के उल्लंघन का सिलसिला जारी है तो इसका मतलब है कि हम अभी तक परिपक्व व जिम्मेदार नागरिक तैयार नहीं कर पाए। सवाल यहां धनबल का ही नहीं है, छापों के दौरान बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी भी एक बड़ी चिंता का विषय होना चाहिए। चुनाव आयोग की तरफ से बरामदगी के जारी आंकड़े बताते हैं कि इसमें 45 फीसदी नशीले पदार्थों की बरामदगी है। ऐसे में इस साल मतदान की प्रक्रिया से जुड़ रहे 1.8 करोड़ नये मतदाताओं को हमें लोकतंत्र की मौजूदा विसंगतियों से दूर रखना है। यदि हम ऐसा कर पाने में सफल होते हैं, तो तभी हम स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियाद रख पाएंगे। ऐसे में हमारी प्राथमिकता हो कि हम नोटों की गड्डी की बजाय वोट की पवित्रता को अपनी प्राथमिकता बनाएं। यदि हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था पारदर्शी हो तो देश में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव का मार्ग प्रशस्त होता है। सही मायनों में निष्पक्ष चुनाव ही लोकतंत्र की आधारशिला है। बहरहाल, चुनाव आयोग की हालिया सख्ती और विसंगतियों पर तुरंत कार्रवाई व गाहे-बगाहे शीर्ष अदालत द्वारा चुनाव सुधारों के लिये रचनात्मक पहल ने लोकतंत्र के बेहतर भविष्य के प्रति उम्मीद जगाई है। निन्संदेह चुनाव प्रक्रिया कदाचार से मुक्त होनी ही चाहिए। यह आयोग के साथ ही देश के जागरूक मतदाताओं की जिम्मेदारी भी है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि किसी भी चुनाव में प्रत्याशियों के लिए चुनावी प्रतियोगिता का मंच समतल ही हो। और साथ ही किसी तरह के भेदभाव से मुक्त हो। निन्संदेह, हमारी मौजूदा कानून व्यवस्था में राजनेताओं के भ्रष्टाचार व आर्थिक अनियमितताओं पर रोक लगाने में जो खामियां हैं, उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए। दरअसल, चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिए चुनाव आयोग का सरकार व दल विशेष के प्रभाव से मुक्त होना भी बेहद जरूरी है ताकि वह किसी भी राजनीतिक दल के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई कर सके। इसमें दो राय नहीं है कि चुनावी प्रक्रिया में किसी भी तरह के भ्रष्टाचार से निपटने के लिए लोकतांत्रिक संस्थानों की स्वतंत्रता, स्वायत्तता, पारदर्शिता, जवाबदेही तथा नागरिकों के जुड़ाव को बढ़ावा देना प्राथमिकता होनी चाहिए। दरअसल, अप्रिय स्थिति से बचने के लिए जहां नियमों व कानूनों को प्रभावी व व्यापक बनाने की जरूरत है, वहीं आधुनिक प्रौद्योगिकी के जरिये हम चुनाव प्रक्रिया की कार्यक्षमता बढ़ाने तथा पक्षपात के आक्षेपों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

डबल कमाई पर संतान की सोच रास न आई

क्षमा शर्मा

यह पांच साल पहले की बात होगी। एक मित्र जिससे बहुत दिनों बाद बात हो रही थी, उससे घर-परिवार के बारे में भी बातें होने लगीं। होते-होते बात बच्चों और उनके परिवार पर आई, तो मित्र ने कहा कि उसके लड़के और बहू ने फैसला किया है कि वे बच्चे नहीं चाहते। 'ऐसा क्यों' पूछने पर उसने कहा कि वे कहते हैं कि वैसे ही देश की आबादी बहुत है। फिर बच्चे की जिम्मेदारी कौन उठाए। जीवन भर की जिम्मेदारी उठाने से बेहतर है कि कोई जिम्मेदारी न उठाई जाए और बच्चे पैदा न किए जाएं। कुछ दिन पहले एक बहुत बड़े बहुराष्ट्रीय निगम में काम करने वाली परिचित लड़की से फोन पर बात हो रही थी। उसकी शादी को बारह साल हो गए मगर उसका कहना है कि उन्हें बच्चा नहीं चाहिए। डिंक इनकम ग्रुप यानी जहां पति-पत्नी दोनों कमाते हैं, वहां ये चलन बढ़ता जा रहा है। ये लोग खुद को चाइल्ड फ्री कहलाना पसंद करते हैं। अपने निर्णय पर इन्हें कोई पछतावा भी नहीं है। इनका मानना है कि बच्चे को पालना एक महंगा सौदा है। वह सही स्कूल में पढ़े, उसका ठीक से विकास हो इस पर भी बहुत परिश्रम करना पड़ता है। कई लोग अपने इस तरह के जीवन को बढ़ा-चढ़ाकर प्रसारित-प्रचारित भी करते हैं। एक जोड़े ने सोशल मीडिया पर बताया था कि उनके बच्चे नहीं हैं, मगर उन्होंने छह डॉग पाल रखे हैं। वे उनकी देखभाल करते हैं। ये जोड़े अपने पैसे को अपनी जिंदगी की खुशियों पर खर्च करना चाहते हैं। खूब घूमना-फिरना चाहते हैं। जहां मर्जी आए, जब मर्जी हो उस काम को करने की आजादी है। सिर पर यह भार नहीं है कि पीछे से कोई बच्चा इंतजार कर रहा होगा, इसलिए घर लौटना है। ऐसी जिंदगी बहुत तनाव मुक्त होती है और हमेशा आजादी का अहसास कराती है। ऐसे लोग अपने मन बहलाव के लिए श्वान पालते हैं, बिल्ली पालते हैं। यह लेखिका स्विट्ज़रलैंड में भी एक ऐसी महिला से मिली थी, जो छप्पन साल की थी। मगर उसने बच्चे न पैदा करने का निर्णय लिया था। उसने पांच बिल्लियों को पाल रखा था। वह इन बिल्लियों को डॉक्टर के पास ले जाने से लेकर उन्हें नहलाना-धुलाना, शैंपू करना, उनके बाल कटवाना, यहां तक कि वे अकेला महसूस न करें इसका इंतजाम तक करती थी। शायद यही कारण है कि भारत में बहुत सी कम्पनियां अब अपने-अपने पालतुओं को दफ्तर लाने की अनुमति दे रही हैं। हां, इन्हें लाने से आपके काम में कोई बाधा नहीं पड़नी चाहिए और ये किसी को नुकसान भी न पहुंचाएं। इन दिनों यह बात भी देखने में आती है कि लड़कियां ज्यादा पैसे कमा रही हैं। इनमें से कइयों का कहना है कि उनके अंदर मां बनने की कोई प्राकृतिक इच्छा नहीं है। एक लड़की जो आये दिन विदेश जाती है, उसका कहना है कि न शादी से पहले व न शादी के बाद वह मां बनना चाहती थी। उसने भी एक डॉगी पाल रखा है लेकिन उसका कहना है कि मैं उसकी मां नहीं हूं। मैं किसी की मां नहीं बनना चाहती। लड़कियां जरूरी तौर पर मां बनें, यह बात अब पुरानी हो चली है। ये युवा पर्यावरण के बारे में सोचते हैं। संगीत और बहुत से शेरो-शायरी को भी पसंद करते हैं। इनका यह भी कहना है कि वे इसलिए भी बच्चे पैदा नहीं करना बेहतर समझते हैं क्योंकि कोई आनुवंशिक बीमारी उन्हें नहीं सौंपना चाहते। इनमें से अधिकांश यह भी मानते हैं कि वे अपने कामकाज में इतने व्यस्त हैं कि बच्चे पालने का समय ही नहीं है। एक जोड़े ने यह भी बताया कि कोविड के दौरान उन्हें महसूस हुआ कि जिंदगी का कोई भरोसा नहीं। पता नहीं कब तक कौन है। इसके अलावा न नौकरियों का भरोसा है। ऐसे में बच्चे की जिम्मेदारी लेना ठीक नहीं है। इस जोड़े के पास एक कुत्ता और एक बिल्ली है। ये जब भी अपनी कार से लम्बी यात्राएं करते हैं, अपने पालतुओं को साथ ले जाते हैं। पिछले दिनों एक मार्केटिंग फर्म ने सर्वे के दौरान बताया था कि भारत में डिंक यानी डबल इनकम ग्रुप की संख्या हर साल तीस प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। महिलाएं कम बच्चों को जन्म दे रही हैं। भारत में प्रजनन दर भी तेजी से घट रही है। साल 1950 में यह 6.2 थी जो अब घटकर 2 रह गई है। इसका एक बड़ा कारण महिलाओं का घर से निकलना है। फिर परिवार नियोजन के साधनों ने दम्पतियों को यह सुविधा प्रदान की है कि वे माता-पिता बनें या न बनें या कब बनें। बहुत से ऐसे जोड़े भी हैं जो कहते हैं कि बच्चे को दुनिया में लाकर अगर जिम्मेदारी ही पूरी करनी है तो क्यों न दूसरी जिम्मेदारियां निभाएं, जैसे कि बुजुर्गों की देखभाल करें। दिव्यांगों की मदद करें। पेड़ लगाएं और पर्यावरण को बचाएं। बच्चे नहीं हैं, इस बात का इन्हें गर्व है। ऊपर जिन लोगों का जिक्र है ऐसे सब लोगों की बातें सुनकर यह लगता है कि शायद इन्हें इस बात का अहसास नहीं है कि नौकरियां हमेशा नहीं रहेंगी। एक दिन ऐसा आएगा कि जब रिटायर्ड जीवन बिताना होगा। शरीर में भी तब तक इतनी ताकत नहीं बचेगी कि रोज कहीं घूमने जा सकें, दोस्तों के साथ पार्टियां कर सकें। यहां तक कि अकेले अपने बल पर अपने पालतुओं की देखभाल भी कर सकें। तब क्या होगा। बीती हुई उम्र वापस नहीं आएगी। रिटायर्ड जीवन की बदली परिस्थितियों के चलते आने वाली चुनौतियों की बात सुनकर इनमें से बहुत से कहते हैं कि उन्हें इस बात का अहसास है कि बुढ़ापे में उनका क्या होगा। कौन उनकी देखभाल करेगा। कुछ ये भी कहते हैं कि कौन बच्चे आजकल माता-पिता की देखभाल कर पाते हैं। करना भी चाहें, तो उनके पास समय नहीं है। लेकिन जब ये इन परिस्थितियों में आएंगे उससे पहले ही ये अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी सजग हैं, जिससे कि किसी गम्भीर बीमारी के होने से पहले ही उसका इलाज करा सकें। इसके अलावा बचत भी इस तरह से कर रहे हैं कि जिस तरह की जीवनशैली अब है, उसमें जब रिटायर हो जाएं, कोई आय न भी रहे तो भी बदलाव न आए। लेकिन यह भी सोचने की बात है कि क्या सिर्फ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने भर से सारी समस्याएं हल हो जाती हैं। जिसे ह्यूमन रिसोर्स कहते हैं , उसकी जरूरत तो पल-पल पड़ती है। और ये बात भी सच है कि दोस्त चाहे जितने अच्छे हों, वक्त पर आपके लिए दौड़ते भी हों, मगर वे परिवार की जगह नहीं ले सकते। कई बार यह जो खाओ-पिओ मौज उड़ाओ की संस्कृति है, यह हमें बहुत स्वार्थी भी बनाती है। हम अपने अलावा किसी और के बारे में सोच नहीं पाते। हमारी आजादी और आनंद में कोई खलल न पड़े, इसके लिए बच्चे नहीं चाहिए। यह कैसा आनंद है जो बच्चे की जिम्मेदारी को इतना बड़ा बोझ मान रहा है कि बच्चे चाहिए ही नहीं। वे दुनिया में आएं ही नहीं। परिवार पर इन दिनों जो संकट आए हुए हैं, डिंक जोड़ों के ये निर्णय उसी संकट की ओर इशारा कर रहे हैं।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

11 से 15 मीटर लंबे सांप होते थे 4.7 करोड़ साल पहले!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

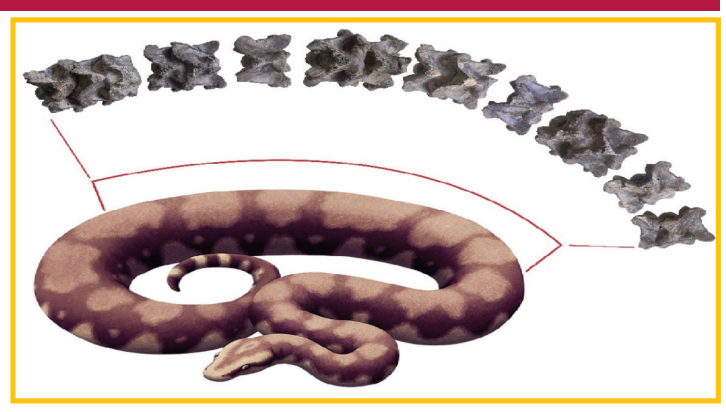

हाल ही में किए गए एक नए शोध की माने तो भारत के गुजरात राज्य में लगभग 4.7 करोड़ साल पहले रहने वाले वासुकी इंडिकस नामक सांप की एक प्राचीन प्रजाति का पता चला है।

शोधकर्ताओं का मानना है कि यह अब तक के सबसे बड़े सांपों में से एक रहा होगा। इस प्रजाति के सांप की लंबाई लगभग 11 से 15 मीटर के बीच थी,कभी ये विलुप्त हो चुके मैडसोइडे सांप परिवार का हिस्सा थे, लेकिन यह एक अलग वंश से जुड़ा था जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी।

शोधकर्ताओं ने भारत के गुजरात राज्य के कच्छ में पनंध्रो लिग्नाइट खदान से बरामद सांप के नमूने का वर्णन किया है, जो लगभग 4.7 करोड़ साल पहले मध्य युगीन काल का है। इस प्रजाति का नाम हिंदू देवता शिव के गले में लिपटे पौराणिक सांप के नाम पर वासुकी इंडिकस रखा गया है। शोधकर्ताओं ने अपने शोध में संरक्षित कशेरुकाओं का वर्णन किया है, जो एक पूर्ण विकसित जानवर से प्रतीत होते हैं।

शोध के मुताबिक, कशेरुकाओं की लंबाई 37.5 से 62.7 मिलीमीटर और चौड़ाई 62.4 से 111.4 मिलीमीटर के बीच पाई गई है, जिसका शरीर बेलनाकार है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि वी. इंडिकस की लंबाई 10.9 से 15.2 मीटर के बीच हो सकती है।किसी भी सांप का यह आकार में अब तक के सबसे लंबे ज्ञात सांप, विलुप्त टाइटनोबोआ के बराबर है, शोधकर्ताओं ने शोध के माध्यम से बताया कि वी. इंडिकस के बड़े आकार ने इसे एनाकोंडा जैसा धीमी गति से चलने वाला, घात लगाने वाला शिकारी बना दिया। शोधकर्ता का कहना है कि वी. इंडिकस को मैडटसोइडे परिवार से संबंधित हैं, जो प्राचीन क्रेटेशियस से प्राचीन प्लीस्टोसीन तक लगभग 10 करोड़ वर्षों तक अस्तित्व में रहा और अफ्रीका, यूरोप और भारत सहित एक विस्तृत भौगोलिक क्षेत्र में फैल गया था। वी. इंडिकस बड़े मैडटसोइडे की एक वंशावली से जुड़े हैं जो भारतीय उपमहाद्वीप में पैदा हुए और लगभग 5.6 से 3.4 करोड़ वर्ष पहले इओसीन के दौरान दक्षिणी यूरोप से अफ्रीका तक फैल गए। भारत में पहले भी मैडसोइडे सांप सांपों के जीवाश्म पाए गए हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, 2022 में, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़, रोपड़ के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और स्लोवाकिया के कोमेनियस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने लद्दाख हिमालय में ओलिगोसीन (लगभग 3.37 करोड़ से 2.38 करोड़ वर्ष पहले) के प्राचीन माडसोइडे सांप की खोज की थी।

लद्दाख के ओलिगोसीन से मैडसोइडे सांप की मौजूदी उनकी निरंतरता को कम से कम पैलियोजीन (भूगर्भीय काल और प्रणाली जो 6.6 करोड़ वर्ष पूर्व क्रिटेशस अवधि के अंत से 4.3 करोड़ वर्ष तक रही है) के अंत तक की ओर इशारा करती है।

शोधकर्ताओं ने वासुकी इंडिकस के शरीर की लंबाई की संभावित सीमा निर्धारित करने के लिए दो तरीकों का इस्तेमाल किया। दोनों ही तरीकों में सांप की कशेरुकाओं की चौड़ाई और उसकी लंबाई के बीच संबंध निर्धारित करने के लिए वर्तमान सांपों का इस्तेमाल किया गया। लेकिन उनके डेटासेट में अंतर था। एक डेटाबेस में बोइडे परिवार के आधुनिक सांपों के डेटा का इस्तेमाल किया गया, जिसमें बोआ और अजगर आज जीवित सबसे बड़े सांप हैं। अन्य डेटाबेस में बाकी सभी तरह के जीवित सांपों का इस्तेमाल किया गया।वासुकी इंडिकस मैडट्सोइडे नामक सांपों के एक समूह से जुड़ा है, जो पहली बार दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, भारत और दक्षिणी यूरोप में 6.6 से 10 करोड़ साल पहले दिखे थे। जहां पसलियां कशेरुकाओं से जुड़ी होती हैं, उन जगहों को देखकर शोधकर्ताओं का मानना है कि वासुकी इंडिकस का शरीर चौड़ा, बेलनाकार था और वह ज्यादातर जमीन पर रहता था। इसकी तुलना में जलीय सांपों का शरीर बहुत सपाट, सुव्यवस्थित होता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह लगभग 28 डिग्री सेंसियस के औसत गर्म जलवायु में पनपा था। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की की एक टीम ने पृथ्वी पर अब तक घूमने वाले सबसे बड़े सांपों में से एक वासुकी इंडिकस की खोज की है। एक ऐसे सांप जो एक स्कूल बस जितना लंबा (11 से 15 मीटर के बीच) हो सकता है। इस प्राचीन विशालकाय के जीवाश्म गुजरात के कच्छ में पनांद्रो लिग्नाइट खदान में पाए गए। इन जीवाश्मों में से 27 कशेरुक असाधारण रूप से अच्छी तरह से संरक्षित हैं, जिनमें से कुछ जिग्सॉ पहेली के टुकड़ों की तरह जुड़े हुए या जुड़े हुए भी पाए गए। यह सांप लगभग 47 मिलियन वर्ष पहले मध्य इओसीन काल के दौरान वर्तमान गुजरात के क्षेत्र में रहता था। यह खोज भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रोफेसर सुनील बाजपेयी और उनके पोस्ट-डॉक्टरल फेलो देबजीत दत्ता ने की है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में याचिका कर्ताओं पर जुर्माना सही?

(लेखक-सनत जैन)

दिल्ली हाईकोर्ट मे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत दिए जाने की याचिका दायर की गई थी। शराब घोटाले के आरोप में वह तिहाड़ जेल में बंद है। अदालत ने जमानत याचिका को खारिज करते हुए याचिकाकर्ता पर 75000 का जुर्माना लगा दिया। पिछले कुछ वर्षों से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जो जनहित याचिकाएं दायर की जाती हैं उन याचिकाओं को खारिज कर भारी जुर्माना लगाए जाने की नई परम्परा शुरू हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दल के प्रतीक चिन्ह के आवंटन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका निरस्त की, और 25000 रूपये का जुर्माना लगा दिया। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण नीति बनाने की मांग को लेकर याचिका को निरस्त करते हुए उसे पर 25000 रूपये का जुर्माना लगाया। जाति व्यवस्था के वर्गीकरण की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने 35000 रूपये का जुर्माना लगाते हुए याचिका निरस्त कर दी। दिल्ली हाईकोर्ट ने भी अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की याचिका को निरस्त कर 50000 रूपये का जुर्माना लगाया। जनहित से जुड़े एवं आय मामलों को लेकर अब सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने स्वयं संज्ञान लेना बंद कर दिया है। जनहित की याचिकाएं या जनहित से जुड़े हुए मामलों की कई महत्वपूर्ण याचिकाएं कई वर्षों तक सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में लंबित बनी रहती हैं। जिस पर लंबे समय तक सुनवाई नहीं होती है। सुनवाई हो भी जाती है, तो फैसला सुरक्षित रख लिए जाते हैं। ऐसी स्थिति कुछ ही वर्षों में न्यायपालिका में देखने को मिल रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जो याचिकाएं दायर की जाती हैं। उसमें याचिकाकर्ता को वकील की नियुक्ति करनी पड़ती है। उसकी फीस भी देनी पड़ती है। हाईकोर्ट ओर सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार कार्यालय में प्रारंभिक जांच भी होती है। न्यायालय फीस के रूप में याचिकाकर्ता से शुल्क जमा कराया जाता है। उसके बाद ही याचिका सुनवाई के लिए लिस्ट होती है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को लगता है, याचिका सुनवाई योग्य नहीं है, तो उन्हें निरस्त कर दिया जाता है। जिन वकीलों द्वारा याचिका दायर की जाती है। उन्हें भी हाईकोर्ट के नियमो और कानून की जानकारी होती है। जनहित याचिकाओं में या अन्य याचिकाओं को खारिज करने के बाद जुर्माना लगाए जाने से अब लोगों में भय का वातावरण बन गया है। हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट जाकर न्याय पाने की कल्पना अब आम नागरिकों के बस की बात नहीं रह गई है। वकीलों की हजारों रुपए की फीस, न्यायालयों की फीस जमा करने, शपथ पत्र इत्यादि एवं मुकदमे की तैयारी करने में याचिकाकर्ता को हजारों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। यदि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाने पर लोगों में भय का वातावरण बन गया है। इससे न्यायिक व्यवस्था से आम आदमी का विश्वास भी खत्म हो रहा है। जब लोग हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की शरण में जाते हैं, निश्चित रूप से वह कहीं ना कहीं इस आशा के साथ जाते हैं, कि उनके मामले की सुनवाई होगी और उन्हें राहत मिलेगी। धारा 370, दिल्ली में हो रहे दंगे, चुनाव बांड की याचिका, महाराष्ट्र में उद्धव सरकार को गिराने में हुए दल बदल और ऐसे दर्जनों मामले हैं। जिनकी सुनवाई में कई वर्षों तक का विलंब किया गया। मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के बीच झूलते रहे। तारीख पर तारीख मिलती रही। समय पर फैसला नहीं मिला। जब न्याय मिला, तो वह भी आधा अधूरा था। जिस महाराष्ट्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक बताया। दल बदल के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जिस तरह से विधानसभा अध्यक्ष और चुनाव आयोग के बीच झलता रहा। वह सबके सामने है। ऐसी स्थिति इसके पहले न्याय पालिका की कभी नहीं थी। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में आए दिन याचिकाओं को खारिज करने और उस पर जुर्माना लगाने की खबरें निरंतर मिल रही हैं। जुर्माना लगाने से लोग जनहित के मामलों में आवाज उठाने से डरने लगे हैं। सरकार सुनती नहीं है, प्रदर्शन नहीं करने दिया जाता है। न्यायपालिका ने भी अपने दरवाजे इसी तरीके से बंद कर लिए, तो आम लोग कहां जाएंगी। यह आम जनता के बीच में चर्चा का विषय बनने लगा है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को भी इस पर विचार करना चाहिए। न्याय पालिका पूरी तरह से स्वतंत्र है1 विधायिका और कार्यपालिका के कार्यों से लोगों के मौलिक अधिकार प्रभावित होते है। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका ही उन्हें संरक्षण दे सकती है। लेकिन न्यायपालिका का संरक्षण सरकार के पक्ष में जाता हुआ दिख रहा है, यह चिंता का विषय है।

21 अप्रैल को 4,71,751 यात्रियों ने हवाई सफर किया

नई दिल्ली । घरेलू हवाई यातायात 21 अप्रैल को नए मुकाम पर पहुंच गया। उस दिन रिकॉर्ड 4,71,751 यात्रियों ने हवाई सफर किया। आधिकारिक आंकड़ों से यह बात सामने आई है। रविवार को हवाई यातायात कोविड-पूर्व की औसत संख्या 3,98,579 यात्रियों से 14 प्रतिशत अधिक रहा। नागर विमानन मंत्रालय से जारी आंकड़ों के मुताबिक, घरेलू हवाई यात्रियों की कुल संख्या 21 अप्रैल (रविवार) को 4,71,751 रही जबकि इस दौरान कुल 6,128 उड़ानें संचालित की गईं। यह संख्या 21 अप्रैल, 2023 को दर्ज किए गए 4,28,389 यात्रियों और 5,899 उड़ानों के घरेलू हवाई यातायात से अधिक है। मंत्रालय ने पोस्ट में कहा कि भारत का घरेलू विमानन क्षेत्र 'हर दिन एक नई ऊंचाई पर पहुंच रहा है। मंत्रालय ने कहा, भारत में घरेलू विमानन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है। यह ठोस नीतियों, आर्थिक वृद्धि और कम लागत वाली एयरलाइंस के विस्तार जैसे कारकों से प्रेरित है। जैसे-जैसे हवाई यात्रा तक अधिक लोगों की पहुंच होगी, इस क्षेत्र के आगे बढ़ने की उम्मीद बनी हुई है। पिछले हफ्ते विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने कहा था कि जनवरी-मार्च तिमाही में घरेलू एयरलाइंस से 391.46 लाख यात्रियों ने सफर किया जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह संख्या 375.04 लाख थी।

जेएनके इंडिया का आईपीओ खुला

मुंबई । साउथ कोरियाई कंपनी जेएनके ग्लोबल की सहायक कंपनी जेएनके इंडिया का आईपीओ मंगलवार को आम निवेशकों के लिए खुल गया है। कंपनी की ओर से इश्यू के जरिए 649.47 करोड़ रुपये जुटाए जा रहे हैं। इसमें 300 करोड़ रुपये का फ्रैश इश्यू है। वहीं, 349.47 करोड़ रुपये का ओएफएस शामिल है। आईपीओ 23 से लेकर 25 अप्रैल तक आम निवेशकों के लिए खुला रहेगा। जेएनके इंडिया आईपीओ का लॉट साइज 36 शेयरों का निर्धारित है। जेएनके इंडिया आईपीओ में निवेशकों को ऑलटमेंट 26 अप्रैल को मिलेगा। जेएनके इंडिया आईपीओ में जिन निवेशकों को अलॉटमेंट नहीं मिलेगा। 29 अप्रैल तक उनके खाते में रिफंड क्रेडिट हो जाएगा। शेयर की लिस्टिंग एनएसई और बीएसई पर 30 अप्रैल को होगी। वित्त वर्ष में कंपनी की आय 253.39 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरान कंपनी ने 46.21 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। वहीं, कंपनी की वित्तीय स्थिति भी काफी अच्छी है। पिछले कुछ वर्षों में कंपनी ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। कंपनी की ऑर्डर बुक 845 करोड़ की है जो दिखाता है कि कंपनी भविष्य में अच्छा प्रदर्शन करेगी। 43 की पीई के साथ आईपीओ फेयर वैल्यू पर मिल रहा है। निवेश लंबी अवधि का नजरिया रखते हुए इसमें निवेश कर सकते हैं।

महिंद्रा फाइनेंसियल सर्विसेज लिमिटेड में 150 करोड़ रुपये फ्रॉड

मुंबई । महिंद्रा ग्रुप की फाइनेंस कंपनी महिंद्रा फाइनेंसियल सर्विसेज लिमिटेड में 150 करोड़ रुपये फ्रॉड पकड़ा गया है। ये फ्रॉड कंपनी की नॉर्थ ईस्ट रीजन की शाखा में हुआ है। फ्रॉड सामने आने के बाद कंपनी ने अपने चौथी तिमाही के नतीजे टाल दिए हैं। इसके साथ ही कंपनी ने मंगलवार को होने वाली बोर्ड बैठक को भी टाल दिया है। महिंद्रा फाइनेंसियल सर्विसेज की ओर से जानकारी में कहा गया कि मार्च 2024 की तिमाही के नतीजे जो कि 23 अप्रैल को घोषित होने थे। उन्हें टाला जा रहा है। साथ ही मंगलवार को होने वाली बोर्ड बैठक भी फिलहाल नहीं होगी। कंपनी द्वारा दी गई जानकारी में बताया कि कंपनी की नॉर्थ ईस्ट शाखा में रिटेल वाहन लोन से जुड़ा एक मामला पकड़ा गया है। कंपनी द्वारा वितरित रिटेल वाहन लोन के संबंध में धोखाधड़ी में केवाईसी दस्तावेजों की जालसाजी शामिल थी, जिससे कंपनी के धन का गबन हुआ। फिलहाल कंपनी इस मामले की जांच कर रही है। इस फ्रॉड का अनुमानित आकार 150 करोड़ रुपये तक हो सकता है। कंपनी की ओर से कहा गया कि मामले सामने के कारण कंपनी द्वारा 23 अप्रैल को घोषित किए जाने वाले चौथी तिमाही के नतीजे टाले जा रहे हैं। साथ ही इस दिन होने वाली बोर्ड बैठक को भी फिलहाल के लिए टाला जा रहा है।

कुछ कंपनियों ने ग्राहकों के लिए पेश किए सस्ते मोबाइल फोन

-कुछ मोबाइल फोन पर दिया जाता है तगड़ा ऑफर

नई दिल्ली ।

स्मार्टफोन ग्राहकों के लिए कंपनियां कुछ सस्ते मोबाइल भी पेश करती हैं, और कुछ पर तो ऐसा तगड़ा ऑफर दिया जाता है, जिसे देखकर आप न नहीं कह सकते हैं।

यहां हम जिस फोन पर ऑफर मिलने की बात कर रहे हैं उसे 7,000 रुपये से भी कम दाम पर घर लाया जा सकता है। दरअसल अमेज़न पर मोबाइल ऑफर की भरमार है, और इसी में टेक्नो स्पार्क 20सी को काफी कम दाम पर उपलब्ध कराया जा रहा है।लाइव हुए ऑफर से मालूम हुआ है कि टेक्नो स्पार्क 20सी को 11,999 रुपये के बजाए 6,999 रुपये में खरीदा जा सकता है। बता दें कि ये कीमत बैंक ऑफर को जोड़ने के बाद की है। इस फोन की खास बात इसकी 16जीबी रैम, 50 मेगापिक्सल है। इस स्मार्टफोन में 90 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.6-इंच एचडी+ (720 गुणा 1,612 पिक्सल) एलसीडी डिस्प्ले दिया गया है। यहां डिस्प्ले में सेंटर होल-पंच स्लॉट भी दिया गया है।

इस स्लॉट में डायनामिक पोर्ट भी दिया गया है। जोकि एप्पल के डायनामिक इस्लैंड की तरह है। इसमें नोटिफिकेशन्स देखें जा सकेंगे। साथ ही इसमें 8जीबी वर्चुअल रैम का भी सपोर्ट दिया गया है।

इसकी इंटरनल मेमोरी 128जीबी की है। मेमोरी को कार्ड की मदद से 1टीबी तक बढ़ाया जा सकता है। ये फोन एंड्रॉयड 13 बेस्ड हियोस 13 पर चलता है। कैमरे के तौर पर फोन के रियर में डुअल कैमरा सेटअप दिया गया है। फोन के रियर में 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा और एक एआई कैमरा मौजूद है। वहीं फोन के फ्रंट में 8 मेगापिक्सल कैमरा दिया गया है। पावर के लिए इसमें 5,000 एमएएच की बैटरी दी गई है और ये 18वॉट वायर्ड फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आती है।कंपनी के मुताबिक इस स्मार्टफोन में डारविन इंजिन दिया गया है। जो यूजर के गेमिंग एक्सपीरिएंस को इंप्रूव करेगा।

इस फोन में 8जबी रैम के साथ मीडियाटेक हेलियो जी36 प्रोसेसर दिया गया है।

जोमैटो से खाना मंगाना हुआ महंगा

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी जोमैटो से खाना मंगाना अब थोड़ा और महंगा पड़ेगा। क्योंकि, कंपनी ने प्लेटफॉर्म चार्ज में 25 प्रतिशत का इजाफा किया है, जिससे यह 1 रुपए बढ़ाकर अब 5 रुपए हो गया है। यह चार्ज हर ऑर्डर पर लगेगा। जोमैटो सालाना करीब 85-90 करोड़ ऑर्डर कैटर करता है। यह उसके टोटल में 5 प्रतिशत की बढ़त करेगा। जोमैटो ने पिछले साल अगस्त में दो रुपए प्लेटफॉर्म चार्ज लेना शुरू किया था। बाद में इसे बढ़ाकर 3 रुपए और जनवरी 1 जनवरी 2024 से 4 रुपए कर दिया था। कंपनी ने 31 दिसंबर 2023 को 9 रुपए प्लेटफॉर्म फीस के रूप में ग्राहकों से चार्ज किया था।

टेस्ला कार यूजर्स को मिलेगा इंटीग्रेटेड एक्सपीरियंस

-कार कंपनी मालिक एलन मस्क का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने कहा कि टेस्ला कार यूजर्स को जल्द ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के साथ एक इंटीग्रेटेड एक्सपीरियंस मिलेगा। एलन मस्क से एक फॉलोअर ने पूछा था कि क्या हम एक्स ऐप को टेस्ला कारों में इंटीग्रेट कर सकते हैं, तो अरबपति मस्क ने कहा- ÷जल्द ही आ रहा है। इसका मतलब है कि इलेक्ट्रिक कार मालिक टेस्ला यूजर इंटरफेस में एक सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए एक्स का उपयोग कर सकेंगे। एक मस्क फॉलोअर ने पूछा, यह सचमुच अच्छी खबर है। फिलहाल, मैं फुल-सेल्फ ड्राइविंग पर बिना किसी परेशानी के अपने आईफोन पर एक्स नोटिफिकेशन नहीं पढ़ सकता। देशी इकोसिस्टम इंटीग्रेशन कहीं बेहतर होगा। एक्स के लिए टेस्ला यूआई कैसा दिखेगा? हालांकि, कुछ लोगों को यह विचार पसंद नहीं आया। सोशल मीडिया यूजर्स ने यह भी मांग की कि मस्क ग्रोक एआई को टेस्ला कारों में भी इंटीग्रेट करें। एक एक्स यूजर ने पोस्ट किया, इंजीनियरिंग टाइम की बर्बादी है। ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे कोई भी गाड़ी चलाते समय एक्टिव रूप से एप्लिकेशन का उपयोग कर सके और टाइपिंग के मामले में इसका उपयोग करना मुश्किल है क्योंकि पीठ को बहुत अजीब तरीके से मोड़ना पड़ता है। मस्क के एक फॉलोअर ने टिप्पणी की, टेस्ला फ्लीट के अंदर ग्रोक को भी मत भूलना।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदादारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी जमकर खरीदारी हुई। इसके अलावा रियल्टी, एफएमसीजी और आईटी इंडेक्स बढ़त में भी बढ़त रही। इसके साथ ही वाहन और इंफ्रा शेयरों में भी खरीदारी दर्ज की गयी जबकि दवा, धातु और उर्जा शेयरों पर दबाव आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 89.83 अंक करीब 0.12 फीसदी बढ़कर 73,738.45 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 31.60 अंक तकरीबन 0.14 फीसदी ऊपर आकर 22,368 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान ग्रेसिम इंडस्ट्रीज , भारतीय एयरटेल , नेस्टले इंडिया, मारुति सूजुकी और एचसीएल टेक्नोलॉजीज निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं सन फार्मा, बीपीसीएल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एमएंडएम और हिंडाल्को के शेयरों को नुकसान हुआ। इससे पहले गत

कारोबारी दिन भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 411.27 अंक चढ़कर 74, 059.89 पर और निफ्टी 111.15 अंक बढ़कर 22,447.55 पर पहुंच गए। आज लगातार तीसरे सत्र में बाजार बढ़त पर रहा। शेयर बाजार में बीते दो दिन से तेजी का सिलसिला रहने से निवेशकों की संपत्ति 4.97 लाख करोड़ रुपये बढ़ गयी है। . वैश्विक बाजारों में तेजी से ये बढ़त आई है। वहीं शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) गत दिवस 2,915.23 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे थे। वहीं अंतराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो एशियाई और युरोपीय बाजार में भी तेजी रही।

एयरटेल का नया इंटरनेशनल रोमिंग पैक लॉन्च

-133 रुपये में इंटरनेट रोमिंग मिलेगी, सिम मिलेगी फ्री

नईदिल्ली ।

दूरसंचार क्षेत्र की कंपनी एयरटेल ने नए इंटरनेशनल रोमिंग पैक को लॉन्च किया गया है। यह प्लान विदेश घूमने वाले यूजर्स के लिए है। इनका टैरिफ प्लान 133 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से शुरू होता है। इस प्लान में विदेशी सिम बेहद कम कीमत में खरीदा जा सकता है।

इसके अलावा इन पैक्स में बेहतर डेटा बेनिफिट्स मिलते हैं। इसमें इन-फ्लाइट कनेक्टिविटी मिलती है। किन देशों में लाइव हुए पैक एयरटेल के नए पैक को कुल 184 देशों में रोलआउट कर दिया गया है। यह प्लान रोजाना के 133 रुपये प्रतिदिन चार्ज से लागू होता है। इस प्लान में यूजर्स को फ्री लोकल सिम मिलता है। अगर आप दुनिया में कहीं भी यात्रा करने के प्लान बना रहे हैं तो यह एक शानदार प्लान साबित हो सकता है, जो एक ही पैक में दुनियाभर में शानदार कनेक्टिविटी ऑफर करता है। इसमें बार-बार सफर करने के लिए एक ऑटो रिन्यूअल सुविधा मिलती है, जिसमें पैक को कई बार खरीदने की जरुरत नहीं होती है। यूजर्स एयरटेल थैंक्स ऐप से इस सर्विस का लुत्फ उठा सकते हैं। एयरटेल के 195 रुपये वाले पोस्टपेट प्लान 24 घंटे की वैधता के साथ आता है। प्लान में 250एमबी डेटा के साथ 100

मिनट आउटगोइंग कॉल की सुविधा मिलती है। साथ ही 100 आउटगोइंग एसएमएस की सुविधा मिलेगी। प्लान में 1 जीबी डेटा के साथ 100 मिनट आउटगोइंग कॉलिंग की सुविधा मिलती है। इसके अलावा 100 एसएमएस आउटगोइंग एसएमएस दिए जाएंगे।एयरटेल के 295 रुपये वाले प्लान में 24 घंटे की वैधता मिलती है। प्लान में 500एमबी डेटा के साथ 100 मिनट आउटगोइंग एसएमएस की सुविधा मिलती है। इसके अलावा 100 एसएमएस आउटोगोइंग एसएमएस की सुविधा मिलेगी।एयरटेल के 595 रुपये वाले प्लान में 24 घंटे की वैधता मिलेगी।

आ गया मुकेश अंबानी के बच्चों का रिपोर्टकार्ड

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो इन्फोकॉम ने अपने चौथी तिमाही के नतीजों का ऐलान किया। कंपनी के मुनाफे में 13.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। ग्राहकों की संख्या में लगातार वृद्धि के कारण यह मुमकिन हुआ। जनवरी-मार्च तिमाही के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 53.37 अरब रुपये हो गया। पिछले साल की समान अवधि में यह 47.16 अरब रुपये था।पैरेंट कंपनी रिलायंस के परिणामों के साथ जियो के प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व और ग्राहक बढ़ोतरी के आंकड़ों का खुलासा होगा। पांच विश्लेषकों का अनुमान है कि जियो ने जनवरी-मार्च की अवधि में 70 लाख से 1.4 करोड़ ग्राहकों को आकर्षित किया। यह पिछले साल के अंत में 47.09 करोड़ के अपने ग्राहक आधार का विस्तार करता है। तिमाही के दौरान जियो के ऑपरेशन से होने वाले रेवेन्यू में लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। यह बढ़कर 259.59 अरब रुपये तक पहुंच गया। जबकि इसके कुल खर्च में थोड़ी धीमी गति से 10.2 फीसदी की वृद्धि हुई। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, तीन विश्लेषकों ने राजस्व के 258 अरब रुपये और 261.29 अरब रुपये के बीच रहने का अनुमान लगाया था।

स्कूल और कॉलेज गैजेट्स पर अमेजन सेल में 80 फीसद डिस्काउंट

-यह सेल चलेगी 27 अप्रैल तक

नईदिल्ली ।

अमेजन पर चल रही बेक टू स्कूल सेल में स्कूल और कॉलेज गैजेट्स पर 80 फीसद तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है। यहां से आप प्रिंटर, स्कूल गैजेट्स, असेंशियल्स और टैबलेट्स समेत कई प्रोडक्ट्स खरीद सकते हैं। यहां से आपको कई ब्रांड के टैबलेट्स मिल जाएंगे जो आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकते हैं। इन सभी पर एक से बढ़कर एक डिस्काउंट ऑफर किया जा रहा है जिसके बाद इन्हें कम कीमत में घर लाया जा सकता है। इन पर विंज वॉच तो किया जा सकता है और साथ ही स्कूल की क्लासेज भी ली जा सकती हैं। अमेजन सेल में आपको कई बेस्ट टेबलेटस अच्छे फीचर्स के साथ मिल जाएंगे। इनमें वनप्लस , शाओमी, हानर, सेमसंग आदि के ऑप्शन्स मौजूद हैं। यहां हम आपके लिए कुछ अच्छे ऑप्शन्स लाए हैं जो आपको पसंद आ सकते हैं। इसमें 11.35 इंच का बड़ा डिस्प्ले दिया गया है जिसके चलते इसका वीडियो एक्सपीरियंस बढ़िया रहेगा। इसमें डॉल्बी एटमस क्वाड स्पीकर्स दिए गए हैं जो साउंड क्वालिटी को जबरदस्त बनाते हैं। यह वाई-फाई के साथ 4जी एलटीई पर काम करते हैं। इसकी प्रोसेसिंग पावर अच्छी है। 8000 एमएएच की दमदार बैटरी दी गई है।

यह देखने में भी काफी स्टाइलिश है और फीचर्स के मामले में सभी को पीछे छोड़ता है। इसके साथ 1 साल की वारंटी दी गई है। इसे 4.5 यूजर रेटिंग दी गई है। साथ ही 1 साल की वारंटी दी गई है। 33 फीसद डिस्काउंट के साथ इस टैबलेट में स्नैपड्रैगन 870 प्रोसेसर दिया गया है। 11 इंच के डिस्प्ले के साथ इसकी वीडियो क्वालिटी काफी जबरदस्त है। यह 8 जीबी रैम और 256 जीबी स्टोरेज के साथ आता है। इसकी साउंड क्वालिटी काफी जबरदस्त है।

रिलायंस का टर्नओवर 10 लाख करोड़ आमदनी एक लाख करोड़

- अनंत की आयल टू केमिकल कंपनी का मुनाफा घटा

मुंबई ।

मुकेश अंबानी के समूह वाली कंपनियों का टर्नओवर बढ़कर 10 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। कंपनी की आय भी बढ़कर एक लाख करोड़ को पार कर गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का टर्नओवर 2023-24 में 10 लाख करोड रुपए पर पहुंच गया है। यह देश की पहली सबसे ज्यादा टर्नओवर और सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली कंपनी बन गई है। कंपनी की प्री टैक्स आय 1। 79 करोड रुपए रही। रिलायंस ने अपने शेयरधारकों को प्रति शेयर 10 रूपये लाभांश देने की घोषणा की है। नतीजे के बाद कंपनी के शेयर में इजाफा हुआ। मार्केट कैप 20 लाख करोड़ के ऊपर पहुंच गया है।

2024 में कंपनी के शेयर में अभी तक 14.32 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है। रिलायंस कारोबार में सबसे ज्यादा आमदनी आयल तथा गैस के कारोबार से बढ़ी है। इसमें

48 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है। वहीं रिलायंस रिटेल में 18 फ़ीसदी आय में वृद्धि हुई है। रिलायंस जिओ मे 10.3 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है। अनंत अंबानी के समूह वाले आयल टू केमिकल के कारोबार में पिछले वर्ष की तुलना में आय कम हुई है।

ऑल्टो के10 कार के बेस मॉडल की कीमत 4.50 लाख रुपये

-बुलेट की कीमत पर उठा ले आओ ये गाड़ी

नई दिल्ली ।

बेहतरीन कारें बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी ने कम बजट वालों के लिए पिछले साल ही नई ऑल्टो के10 को लॉन्च किया था। कम बजट वालों के लिए इसका बेस मॉडल सबसे किफायती पड़ता है। इस कार के बेस मॉडल की ऑन रोड कीमत करीब 4.50 लाख रुपये तक जाती है। इस कार से आप गर्मी, सर्दी या बरसात तिनों मौसम में बिना रुके आसानी से सफर कर सकते हैं। अगर आप हर मौसम में सुरक्षित रहकर सफर करना चाहते हैं तो एक महंगी बाइक से बढ़िया एक सस्ती कार होगी। ऑल्टो के10 की ऑन-रोड कीमत तकरीबन 4.50 लाख रुपये है और लगभग इतनी ही कीमत पर रॉयल एनफील्ड सुपर मिटिओर 650 के टॉप मॉडल की ऑन रोड कीमत है। मारुति ऑल्टो के10 का बेस मॉडल खरीदने के लिए अगर आप 1.35 लाख रुपये डाउन पेमेंट करेंगे तो 9 प्रतिशत की ब्याज दर से 7 साल के लिए कार की किस्त 5,000 रुपये महीने के आसपास होगी। इतनी आसान किस्त आप आसानी से भर सकते हैं। नई मारुति सुजुकी ऑल्टो के10 चार वेरिएंट्स में उपलब्ध है, जिनमें एसटीडी,

एलएक्सआई, वीएक्सआई और वीएक्सआई प्लास शामिल हैं। सीएनजी वर्जन वीएक्सआई मॉडल के साथ खरीद सकते हैं। टॉप मॉडल की कीमत करीब 6.61 लाख रुपये तक जाती है। इसमें कार में मिलने वाले तमाम फीचर्स हैं। मारुति ऑल्टो के10 में 1.0-लीटर का 3-सिलेंडर के सीरीज पेट्रोल इंजन लगाया गया है, जो अपने माइलेज के लिए जाना जाता है। यह इंजन अधिकतम 66 बीएचपी का पावर आउटपुट और 89 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इंजन के साथ 5-स्पीड मैनुअल यूनिट और 5-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का ऑप्शन मिल जाता है। यह कार ऑल्टो 800 से ज्यादा पावरफुल भी है। माइलेज की बात करें तो एक लीटर पेट्रोल में यह कार 24 किलोमीटर तक की माइलेज निकाल देती है। वहीं एक किलो सीएनजी में इसकी माइलेज 33 किलोमीटर तक है।

गूगल पिक्सल फोन का नया मॉडल को लाने के लिए तैयार

-लीक हो गई फोटोज़, फीचर्स का खुलासा

नई दिल्ली ।

जानी-मानी गूगल पिक्सल फोन कंपनी अपने नए मॉडल को लाने के लिए तैयार है। गूगल पिक्सल 9 प्रो की कुछ फोटोज़ ऑनलाइन लीक हो गई हैं, जिससे पिक्सल फैंस को हिंट मिल जाएगा कि कंपनी के अगले पिक्सल फोन से क्या उम्मीद की जाए। मालूम हुआ है कि इस साल, कंपनी तीसरा मॉडल - पिक्सल 9 प्रो एक्सएल लॉन्च कर सकती है, जिसका मतलब साफ है कि इस बात गूगल पिक्सल 9, पिक्सल 9 प्रो के साथ एक और फोन जुड़ जाएगा, और इस सीरीज़ पिक्सल 9 प्रो सबसे बड़ा मॉडल नहीं होगा।गूगल पिक्सल 9 प्रो को दोबारा डिज़ाइन किए गए कैमरा लेआउट के साथ दिखाया गया है। फोन में एक पेरिस्कोप टेलीफोटो कैमरा होने की भी उम्मीद की जा रही है, जो लीक हुई फोटो में भी देखा गया है। फोटो में देखा जाए तो इसमें से एक फोन के रियर पैनल को ओवल साइज़ के कैमरा के साथ पेश किया गया है।

बता दें कि गूगल पक्सल 8 और पिक्सल 8 प्रो के साइज़ आईफोन 15 जितने छोटे थे। वहीं अब पिक्सल 9 प्रो एक्सएल को लेकर ऐसा कहना गलत नहीं होगा कि ये ऐपल के टॉप मॉडल आईफोन 15 प्रो मैक्स मॉडल की तरह बड़े साइज़ के साथ आएगा। फोटो के मुताबिक गूगल पिक्सल 9 प्रो माइक्रोन की 16जीबी एलपीडीडीआर रैम और 128जीबी इनबिल्ट स्टोरेज से लैस होगा। एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक गूगल पिक्सेल 9 सीरीज़ और आने वाले पिक्सल प्रो फोल्ड सैमसंग मॉडम के सपोर्ट के साथ आ सकते हैं।

पिछली रिपोर्ट में ये भी मालूम कि पिक्सल 9 सीरीज़ सिंपल सा कैमरा मॉड्यूल होगा। रिपोर्ट में आईफोन 15 प्रो मैक्स के बगल में पिक्सल 9 प्रो की एक फोटो भी शेयर की गई है।

आईपीएल 2024 : राजस्थान के तेज गेंदबाज संदीप बोले , हर मैच का आनंद उठा रहा हूं

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज संदीप शर्मा ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत में पांच विकेट लेकर अहम भूमिका निभाई है। इसके साथ ही संदीप सभी के आकर्षण का केन्द्र बने हैं। संदीप ने विविधता और सही लाइन व लैंथ का इस्तेमाल कर मुम्बई के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। उनकी गेंद की गति में इतना बदलाव था कि मुम्बई के बल्लेबाज बड़े शॉट लगाने के फेर में एक के बाद एक आउट होते चले गये। संदीप ने अपने चार ओवर के स्पेल में 4.50 की इकॉनमी रेट से 18 रन देकर पांच खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा। उनके कारण ही मुम्बई के बल्लेबाज अंतिम ओवरों में भी रन नहीं बना पाये। संदीप अपने इस प्रदर्शन पर खुश हैं परन्तु इस दौरान दो साल पहले नीलामी में नहीं खरीदे जाने का उनका दर्द उभर आया। इस गेंदबाज ने कहा चोट से वापसी के बाद वह अच्छा महसूस कर रहे हैं। वह इस सत्र का आनंद उठा रहे हैं। साथ ही कहा कि दो दिन पहले ही मैं फिट हुआ हूं। फिटनेस के बाद पहला मैच खेल रहा हूं, अच्छा महसूस कर रहा हूं। पिच धीमी और निचली तरफ थी, इसलिए मेरी योजना बदलाव और कटर गेंदबाजी जारी रखने की थी। अगर आप अंत में गेंदबाजी कर रहे हैं तो आपको बड़े शॉट का सामना करने तैयार रहना चाहिये।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस में मुकाबला

प्लेऑफ के लिए दावेदारी बनाये रखने जीत के इरादे से उतरेंगी दोनो टीमों

नई दिल्ली ।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल के 40 वें मुकाबले में बुधवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। कैपिटल्स ने इस सत्र में खराब शुरुआत के बाद लगातार दो मैच जीतकर लय हासिल की थी पर पिछले मैच में उसे सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे सबक लेते हुए दिल्ली अब इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी। पिछले मैच में दिल्ली की टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में असफल रही थी। इसलिए इस मैच में उसका लक्ष्य शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी करना होगा। इस मैच में कप्तान ऋषभ पंत को भी जीत के लिए आक्रामक अंदाज में खेलना होगा। हैदराबाद के खिलाफ मैच में वह उस तेजी से नहीं खेल पाये थे जिसकी जरुरत थी। इसके अलावा उनकी कप्तानी भी ठीक नहीं रही थी। सनराइजर्स के खिलाफ उनके फैसलों पर कई बार सवाल उठे। टॉस के समय वह ओस के पहलू को सही तरह से नहीं समझ पाए और उन्होंने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके अलावा पारी का दूसरा ओवर ललित यादव को सौंपने का उनका फैसला भी गलत रहा जिससे सनराइजर्स के बल्लेबाजों को आक्रामक शुरुआत का अवसर मिल गया। टीम ने पावरप्ले में बिना विकेट खोए 125 रन बनाए। दिल्ली की टीम आठ मैच में तीन जीत और पांच हार से छह अंक के साथ आठवें स्थान पर फिसल गयी है। ऐसे में उसे प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई करने अब हर मैच जीतना होगा। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए बल्लेबाजी के दौरान ऋषभ संघर्ष करते दिखे। वह 35 गेंद में 44 रन ही बनाकर आउट हो गये। टीम के बल्लेबाजों से सनराइजर्स के 267 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक शुरुआत की अपेक्षा थी पर उसके सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और डेविड वार्नर इसमें सफल नहीं रहे। युवा जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने तेजी से खेलते हुए 18 गेंद में 65 रन बनाए पर उन्हें दूसरे छोर से साथ नहीं मिला। अभिषेक पोरेल ने भी 22 गेंद में 42 रन की पारी खेली पर ये जीत के लिए पर्याप्त नहीं थी। वहीं गेंदबाजी में भी दिल्ली के गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे और सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने आसानी से रन बनाये। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद के अलावा दिल्ली के प्रमख गेंदबाज एनरिक नोर्किया भी विफल रहे। टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा जकड़ने के पिछले मैच से बाहर रहे थे अगर उनकी वापसी होती है तो टीम को लाभ होगा। स्पिन कुलदीप यादव ही अब तक दिल्ली के सबसे सफल रहे हैं।

स्क्वाश खिलाड़ी घोषाल ने पेशेवर खेल को अलविदा कहा, देश की ओर से खेलते रहेंगे

नई दिल्ली ।

देश के शीर्ष पुरूष स्क्वाश खिलाड़ियों में शामिल सौरव घोषाल ने पेशेवर खेल से संन्यास ले लिया है हालांकि कहा है कि वह भारत की ओर से खेलना जारी रखेंगे। पेशेवर सर्किट में दो दशक से अधिक समय तक खेलने वाले 37 साल के घोषाल ने देश की ओर से खेलते हुए कई पदक जीते हैं। इंचियोन और हांग्झोउ एशियाई खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों में भी तीन पदक जीते हैं।

उन्होंने ग्लासगो में 2022 विश्व युगल चैंपियनशिप में मिश्रित युगल वर्ग में स्वर्ण पदक भी जीता था। घोषाल ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''जब मैंने 22 साल पहले 'पीएसए विश्व टूर' पर अपनी यात्रा शुरू की थी। उस समय मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं इतने लंबे समय तक पेशेवर स्क्वाश खेलूंगा। मैंने इस दौरान दुनिया भर में यात्रा की और कुछ बड़े टूर्नामेंटों में सोचा कि ये दौर हमेशा जारी रहेगा पर हर चीज का एक अंत होता है। संन्यास की घोषणा करते समय मैं भावनाओं से अभिभूत हूं। यह खेल इतने वर्षों से मेरा जुनून, मेरी आजीविका और मेरी पहचान रहा है। इसलिए गर्व और दुख की मिश्रित भावनाओं के साथ मैं पीएसए से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं।''

घोषाल दुनिया के शीर्ष 10 में पहुंचने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने अप्रैल 2019 में करियर की उच्चतम रैंकिंग हासिल की और छह महीने तक उसे बनाये रखने में सफल रहे। घोषाल ने 2003 में पीएसए में पदार्पण करने के बाद से 18 फाइनल में पहुंचकर 10 पीएसए खिताब जीते हैं। इसके अलावा उन्होंने पीएसए टूर पर अपने 511 मैचों में से 281 जीते हैं। घोषाल के नाम 13 राष्ट्रीय खिताब जीतने का रिकॉर्ड भी है। उन्होंने इसमें से आखिरी खिताब 2020 में जीता था।

स्पेन में लारियर स्पोर्टस अवार्ड समारोह में साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के अवार्ड के साथ पोज देती हुई एरीसा ट्रियू।

पंड्या से कप्तानी पारी की उम्मीद थी पर उन्होंने निराश किया : आकाश चोपड़ा

इरफान पठान ने एक बार फिर निशाना साधा

जयपुर ।

आईपीएल के इस सत्र में मुम्बई इंडियंस के नये कप्तान हार्दिक पंड्या अब तक असफल रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में भी वह केवल 10 रन ही बना पाये। वहीं पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि उन्हें इस मैच में पंड्या से कप्तानी पारी की उम्मीद थी पर उन्होंने निराश किया। उन्हें जल्दी बल्लेबाजी के लिए उतरकर मोर्चे से आगुवाई करने की जरुरत थी पर हैरानी की बात ये रही कि मैच में मुम्बई के विकेट गिरते रहे और पंड्या कभी डगआउट में तो कभी सीट पर बैठते, फिर कभी पुशअप्स मारते और कभी टहलते। फिर जब वह मैदान पर उतरे भी कोई कमाल नहीं कर पाये। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस प्रकार पंड्या एक बार फिर बल्लेबाजी में विफल रहे। इससे पहले उन्होंने 7 पारियों में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 11, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 24, राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 34, दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 39, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ नाबाद 21, चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 2 और पंजाब किंग्स के खिलाफ 10 रन बनाये थे। इसके बाद पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने एक बार फिर पंड्या पर निशाना साधा है। पठान ने कहा कि आईपीएल में पंड्या की कप्तानी, बल्लेबाजी और गेंदबाजी सभी बेकार रही हैं। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, हार्दिक पंड्या की हिटिंग क्षमता कम होती जा रही है। यह एक बड़ी चिंताजनक बात है।

संक्षिप्त समाचार

यशस्वी जानता है कब क्या करना है : सैमसन

जयपुर । राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि ये सभी के योगदान से मिली है। सैमसन ने इस मैच में शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें किसी सलाह की जरुरत नहीं है। साथ ही कहा कि वह एक पेशेवर खिलाड़ी है जो जानता है कि ब्रेक मिलने पर क्या किया जाना चाहिये। वह तकनीकी रुप से काफी बेहतर खिलाड़ी है जो समय के साथ ही निखरता जा रहा है। यशस्वी इस आईपीएल सत्र के शुरुआती मैचों में अधिक रन नहीं बनाने के कारण आलोचना का भी शिकार हुए थे पर टीम उनके साथ बनी रही जिसका परिणाम सामने है, इस बल्लेबाजी ने धमाकेदार शतक के साथ वापसी की है। इसके अलावा सैमसन ने मैच में पांच विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बने संदीप शर्मा की भी प्रशंसा की। वहीं संदीप ने कहा कि फिटनेस हासिल करने के बाद यह मेरा पहला मैच था। इसमें बेहतर प्रदर्शन कर अच्छा महसूस कर रहा हूं। पिच धीमी और निचली तरफ थी, इसलिए मेरी योजना गेंदबाजी में विविधता और कटर रखने की थी जो सफल रही। साथ ही कहा कि अंतिम ओवरों में गेंदबाजी के दौरान आपको बढ़े शॉट का सामना करने तैयार रहना होता है। हमने आईपीएल में देखा है, आक्रामक बल्लेबाजी के कारण गेंदबाज दबाव में रहते हैं। इसलिए हमें बेहतर तरीके से अपनी रणनीति पर अमल करना होता है।

दिल्ली कैपिटल्स के ऑलराउंडर मिचेल मार्श आईपीएल से बाहर हुए

मुम्बई । दिल्ली कैपिटल्स की ओर से आईपीएल में खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श चोटिल होने के कारण आईपीएल टूर्नामेंट से हट गये हैं। ऑलराउंडर मार्श का बाहर होना दिल्ली टीम के लिए करारा झटका है। कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि मार्श हैमस्ट्रिंग खिंचाव के कारण अब आईपीएल सत्र के बचे हुए मैचों में नहीं खेल पायेंगे। पोंटिंग के अनुसार इस चोट से उबरने में समय लगाता है। इस कारण वह अब भारत नहीं लौटेंगे। मार्श क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के चिकित्सीय दल से परामर्श करने के लिए 12 अप्रैल को पर्थ वापस चले गए थे। वहां जांच के बाद पता चला है कि मार्श के लिए अब ये सत्र खेलना संभव नहीं है। उसी के बाद इस मामले में कैपिटल्स ने अंतिम फैसला लिया। पोंटिंग ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि अब वह वापस आएंगे क्योंकि सीए चाहता है कि मार्श की चोट की रिकवरी ऑस्ट्रेलिया में ही हो। इसी कारण से हमने भी उन्हें स्वदेश भेज दिया था। सीए के मेडिकल स्टाफ के सदस्य कुछ सप्ताह से उनके रिहैब पर काम कर रहे हैं। मैंने मार्श से हाल ही में बात की थी और ऐसा लगता है कि उस चोट से उबरने में उन्हें अपेक्षा से अधिक समय लग रहा है पर मुझे लगता है कि वह टी-20 विश्व कप से पहले ठीक हो जाएंगे। वहीं ये भी अनुमान हैं कि मार्श आगामी टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे। मार्श इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के लिए अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये और चार मैचों में केवल 61 रन ही बना पाये।

राजस्थान रॉयल्स ओर मुम्बई इंडियंस मुकाबले में यशस्वी सहित इन तीन खिलाड़ियों ने बनाये रिकार्ड

जयपुर ।

राजस्थान रॉयल्स ओर मुम्बई इंडियंस के बीच हुए आईपीएल मैच में तीन खिलाड़ियों ने रिकार्ड बनाये हैं। ये हैं राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायस्वाल, स्पिनर यजुवेंद्र चहल और मुम्बई के बल्लेबाजी तिलक वर्मा। यशस्वी ने इस मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ शानदार शतक लगाकर एक बार फिर अपना सर्वश्रेष्ठ फार्म हासिल करने के संकेत दिये हैं। रॉयल्स की जीत में यशस्वी के शतक की अहम भूमिका रही है। इस मैच में यशस्वी ने शतक के साथ ही एक अहम रिकार्ड भी बनाया है। यशस्वी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 59 गेंद में अपना शतक लगा दिया। इस शतक के साथ ही वह आईपीएल में 23 साल की उम्र से पहले 2 शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी बने हैं। वहीं राजस्थान के ही स्पिनर यजुवेंद्र चहल ने भी इस मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। चहल ने मोहम्मद नबी का विकेट लेकर एक खास रिकॉर्ड बनाया। इस प्रकार वह आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने हैं।

इसके अलावा इस मैच में मुम्बई के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा अपना अर्धधतक लगाने के साथ ही आईपीएल में 1000 रन पूरे करने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। तिलक ने 21 साल 166 दिन में यह उपलब्धि हासिल की है हालांकि आईपीएल में 1000 रन पूरे करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी का रिकॉर्ड तो ऋषभ पंत के नाम है। उन्होंने 20 साल 218 दिन में यह कारनामा किया था।

आईपीएल में नंबर एक पर बरकरार है राजस्थान रॉयल्स

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में अभी भी शीर्ष पर कायम है। राजस्थान ने मुम्बई के खिलाफ जीत के साथ ही अंक तालिका में अपनी बढ़त बरकरार रखी है। आईपीएल में 10 टीमो के बीच जबरदस्त मुकाबला जारी है। रॉयल्स 8 मैच में 7 जीत और एक हार से 14 अंक लेकर पहले जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स 7 मैचों में 5 जीत और दो हार के साथ ही 10 अंक लेकर दूसरे व सनराइजर्स हैदराबाद भी 7 मैचों में 5 जीत और दो हार के साथ ही 10 अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। इसके बाद चेन्नई सुपरकिंग्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस तीनों ही 8-8 अंक लेकर चौथे, पांचवें और छठे नंबर पर हैं। इसके बाद मुम्बई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स 6-6 अंकर लेकर सातवें और आठवें जबकि पंजाब किंग्स और आरसीबी 4 व दो अंक लेकर नौवें और दसवें नंबर पर हैं। 22 मार्च से शुरू हुए टूर्नामेंट के 17वें सीजन का फाइनल मुकाबला 26 मई को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा।

हार्दिक ने हार पर निराशा जताते हुए कहा , हम अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पाये

जयपुर ।

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने आईपीएल मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाये। हार्दिक ने कहा कि टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में ही विफल रही। पंड्या ने मैच के बाद कहा, हमारी शुरुआत ही खराब रही हालांकि तिलक और निहाल ने अच्छी बल्लेबाजी की। हम पारी का समापन उम्मीद के अनुसार नहीं कर पाए और बल्लेबाजी में भी 10 से 15 रन हमने कम ही बनाए। उन्होंने कहा, लक्ष्य का बचाव करते हुए गेंदबाजी में भी हम उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे, हमें गेंदों को स्टंप्स पर रखा था पर हमने उन्हें पावर प्ले में शरीर से दूर गेंदबाजी की। यह बड़ी गलती रही इससे बल्लेबाजों को शॉट खेलने का अवसर मिल गया, मैदान पर हमारा अच्छा दिन नहीं था। हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया। हर कोई अपनी भूमिका जानता है, हमें अपनी गलतियों को सुधारने की जरूरत है। इस मैच में कप्तान की रणनीति पर भी सवाल उठे हैं। पंड्या बल्लेबाजी और गेंदबाजी सहित हर विभाग में विफल रहे। कप्तानी में हार्दिक ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जबकि जयपुर में आमतौर पर दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना आसान हो जाता है। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई का शीर्ष कम्र असफल रहा। इसके अलावा निचले क्रम में हार्दिक भी रन नहीं बना पाये और 10 रनों पर ही आउट हो गये। इसके बाद गेंदबाजी में भी कुछ नहीं कर पाए। उन्होंने दो ओवर की गेंदबाजी की जिसमें 21 रन दिए और एक भी विकेट उन्हें नहीं मिला।

नरेन टी20 विश्वकप के लिए संन्यास से वापसी नहीं करेंगे

युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया जाना चाहिये

मुम्बई ।

आईपीएल में अपने प्रदर्शन से धूम मचा रहे वेस्टइंडीज के स्पिन ऑलराउंडर सुनील नरेन ने कहा है कि उनकी आगामी टी20 विश्वकप खेलने के लिए संन्यास से वापसी की कोई योजना नहीं है। नरेन ने ये बात वेस्टइंडीज टी20 टीम के कप्तान रोवमैन पॉवेल के उस बयान को लेकर कही है, जिसमें पॉवेल ने नरेन के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उनसे टी20 विश्वकप को देखते हुए वापसी का अनुरोध किया था। पॉवेल ने बात इस आईपीएल सत्र में उनके प्रदर्शन को देखते हुए कही थी। इस पर जवाब देते हुए नरेन का कहना है कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के अवसर अब उनके लिए हमेशा के लिए बंद हो गए हैं। साथ ही कहा कि वह उन युवा खिलाड़ियों की इस विश्वकप के लिए दावेदारी का समर्थन करेंगे जो पिछले कुछ समय से इसकी तैयारी कर रहे हैं। आम तौर पर देखने में आया है कि आईसीसी टूर्नामेंट आते ही अनुभवी खिलाड़ियों की टीम में वापसी होने लगती है जबकि जो युवा खिलाड़ी लगातार उस फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे होते हैं उन्हें टीम से बाहर होना पड़ता है। मगर अब सुनील नरेन ने संन्यास से वापसी नहीं करने का फैसला कर युवा खिलाड़ियों का अवसर दिया है। नरेन ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, मुझे उम्मीद है कि आप सभी अच्छे और स्वस्थ्य हैं। मैं वास्तव में बहुत खुश और आभारी हूं कि हाल ही में मेरे प्रदर्शन ने कई लोगों को सार्वजनिक रूप से मेरे संन्यास से बाहर आने और आगामी टी20 विश्वकप में खेलने की इच्छा व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने आगे लिखा, मैंने उस फैसले पर शांति बना ली है और हालांकि मैं कभी निराश नहीं होना चाहता पर वह दरवाजे अब बंद हो गए हैं और मैं उन युवा खिलाड़ियों का समर्थन करूंगा जो जून में वेस्टइंडीज के लिए मैदान में उतरेंगे। नरेन आईपीएल 2024 में केकेआर की ओर से खेल रहे नरेन जबरदस्त फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने टी20 करियर का पहला शतक भी लगाया था। उन्होंने इस सत्र में 40.86 के औसत और 176.54 के स्ट्राइक रेट के साथ 286 रन बनाये हैं जबकि ती गेंदबाजी के दौरान 7 मैचों में 7.11 की इकॉनमी के साथ 9 विकेट भी लिए हैं।

केकेआर प्रबंधन ने स्टार्क का समर्थन किया

हम इसे निवेश के रवैये से नहीं देखते : वेंकी मैसूर

कोलकाता । आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क विफल रहे हैं। स्टार्क गेंदबाजी के दौरान विकेट के लिए संघर्ष करते हुए दिखे हैं। इसके बाद भी आईपीएल इतिहास के इससे सबसे महंगे खिलाड़ी का टीम प्रबंधन ने समर्थन किया है। केकेआर ने नीलामी में स्टार्क को 24 करोड़ रुपये में खरीदा था। केकेआर के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने कहा कि वह इस अनुभवी खिलाड़ी को 'निवेश के नजरिये से नहीं देखते हैं। केकेआर ने आईपीएल नीलामी स्टार्क को रिकॉर्ड 24.75 करोड़ रुपये की बोली के साथ टीम में शामिल किया था जबकि इसे तभी सही फैसला नहीं माना जा रहा था क्योंकि इस तेज गेंदबाज के पास टी20 प्रारूप में काफी कम अनुभव था। वह नौ साल बाद आईपीएल में वापसी कर रहे थे। वहीं वेंकी मैसूर ने कहा, वह सुपरस्टार है और बेहतरीन खिलाड़ी है। उन्होंने कहा, हम इसे निवेश के रवैये से नहीं सोचते हैं, क्योंकि आप नीलामी में जाते हैं और नीलामी में ऐसी चीजें होती हैं, जो न तो खिलाड़ी के हाथ में होती हैं और न ही किसी और के हाथ में होती हैं। उन्होंने कहा, हमें बस यही लगा कि स्टार्क जैसे खिलाड़ी को टीम में शामिल करने से काफी महत्व बढ़ेगा। मेरा मतलब है कि टीम में उसकी मौजूदगी से मजबूती मिलती है। उनके पास उस तरह की विशिष्ट कौशल है जिसकी हमारे सहयोगी स्टाफ को तलाश थी। स्टार्क ने अपने शुरुआती दो मैचों में ही 100 रन से ज्यादा दे दिये थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फैशन के जलवे पूरी दुनिया में हैं और इसकी जो चमक-दमक दिखाई देती है, उसके पीछे कड़ी मेहनत होती है. फैशन डिजाइनर, फैशन जर्नलिस्ट से लेकर फैशन कोरियोग्राफर की भूमिका पर्दे के पीछे होती है, जो किसी को दिखाई नहीं देती. इस चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में करियर की असीम संभावनाएं हैं.

ग्लैमर से जुड़ा फैशन कोरियोग्राफर

अगर आपको फैशन और ग्लैमर वर्ल्ड पसंद है, साथ ही आप क्रिएटिव भी हैं तो फैशन कोरियोग्राफी आपके लिए उपयुक्त करियर ऑप्शन हो सकता है. फैशन कोरियोग्राफी को कैटवाक कोरियोग्राफी के नाम से भी जाना जाता है. इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के लिए ढेरों अवसर मौजूद हैं. फैशन में करियर का मतलब यह नहीं कि आप केवल कपड़ों के डिजाइन और उससे संबंधित अन्य चीजों से डील करें बल्कि इसमें डिजाइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग और एक्सेसरीज उत्पाद जैसे जूलरी, बैग्स, फुटवियर भी शामिल होते हैं. यह फैशन जगत का ठीक वैसा ही करियर ऑप्शन है जैसे कि फैशन फोटोग्राफी, फैशन जर्नलिज्म आदि. फैशन कोरियोग्राफर किसी भी डिजाइनर के सपने को सर्वश्रेष्ठ रूप में स्टेज पर उतारने का प्रयास करता है.

फैशन कोरियोग्राफी

ये मॉडल्स द्वारा पहने गये कपड़ों को आकर्षक और पेशेवर रूप से दुनिया के सामने लाते हैं. फैशन कोरियोग्राफी में कई तरह के मूवमेंट पैटर्न होते हैं जिन्हें रैम्प पर चलते वक्त मॉडल्स संगीत की धुन के साथ फॉलो करती हैं. फैशन कोरियोग्राफर धुन, थीम और फैशन रनवे शोज को डिजाइन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. फैशन कोरियोग्राफर सामान्य तौर से शो का डायरेक्टर होता है. प्रोफेशनल और कमर्शियल रैम्प शोज, प्रोडक्ट लॉन्च जहां क्लाइंट स्टेज शोज करवाना चाहता है, फैशन वीक्स, जिनमें गारमेंन्ट का डिस्प्ले मुख्य फोकस होता है, के लिए फैशन कोरियोग्राफर्स की जरूरत पड़ती है.

फीमेल्स के लिए उपयुक्त करियर

हालांकि यह लॉन्ग लर्निंग प्रोसेस है और एक बार इस क्षेत्र में प्रवेश के बाद हर पहलू पर बारीकी से रिसर्च करने के बाद अगले शो को ज्यादा बेहतर बनाने की तैयारी करनी पड़ती है. मुख्यत- यह फीमेल्स के लिए उपयुक्त करियर ऑप्शन है. योग्यता फैशन कोरियोग्राफर बनने के लिए न्यूनतम योग्यता किसी भी विषय के साथ बारहवीं है.

इस क्षेत्र की आधारभूत आवश्यकता क्रिएटिव टैलेंट है. हालांकि इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए कोई खास कोर्स नहीं है. इस क्षेत्र में करियर बनाने वाले कैंडीडेट चाहें तो अनुभवी फैशन कोरियोग्राफर को असिस्ट करके खुद को स्थापित कर सकते हैं. कौशल चूंकि यह क्रिएटिव करियर ऑप्शन है, इसलिए फैशन कोरियोग्राफर को क्रिएटिव होने के साथ ही रंगों और स्टाइल की बखूबी समझ भी जरूरी है. कोरियोग्राफर को व्यवहार कुशल, शांत और आत्मविश्वासी होना चाहिए. शो के दौरान किसी भी तरह की कठिन परिस्थिति से निपटने की क्षमता के साथ ही दबाव में और लंबे समय तक काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए.

कॉरपोरेट इवेंट में भी फैशन शो

कार्य फैशन विस्तृत क्षेत्र है जिसमें अवसरों की भरमार है. डिजाइनर्स से लेकर फैशन ब्रांड्स तक अपने शो को हिट करवाने के लिए कैटवाक कोरियोग्राफर को हायर करते हैं. आज फैशन शो लगातार चलने वाला इवेंट बन गया है. यही वजह है कि इस क्षेत्र में फैशन कोरियोग्राफर के लिए संभावनाएं भी बढ़ी हैं.

कोई भी कॉलेज डे फैशन शो के बिना पूरा नहीं होता, यहां तक कि आजकल कॉरपोरेट इवेंट में भी फैशन शो का आयोजन होने लगा है. जब डिजाइनर अपने कलेक्शन और प्रेजेंटेशन के बारे में कोरियोग्राफर को बताता है तो यह कोरियोग्राफर का काम होता है कि वह शो की सफलता के लिए प्रत्येक चरण का प्लान बनाए. फैशन कोरियोग्राफर को शो के हर डीटेल जैसे एंबीयंस डेकोर, स्टेज और रैम्प डिजाइन, लाइटिंग इफेक्ट्स, ऑडियो विजुअल, म्यूजिक, मॉडल्स, मेकअप और हेयरस्टाइलिंग से लेकर सभी मॉडल्स द्वारा पहने जाने वाले आउटफिट्स तक पर ध्यान देना होता है. चाहे तो प्रतिष्ठित कोरियोग्राफर को असिस्ट भी कर सकता है. इंडस्ट्री में एक्सपीरियंस और रेपुटेशन के साथ ही वह स्वतंत्र रूप से फ्रीलांसर के रूप में भी कार्य कर सकता है.

तकनीक की शिक्षा

इसके अलावा, फैशन कोरियोग्राफर के पास स्कूल शुरू करने का भी ऑप्शन होता है जहां वह इस क्षेत्र से जुड़ी तकनीक की शिक्षा दे सकता है. डिजाइनर्स के साथ- साथ ब्रांड आइटम्स के डीलर्स भी अपने प्रोडक्ट के प्रदर्शन के लिए फैशन कोरियोग्राफर को हायर करते हैं. मॉडलिंग कंपनी भी ज्वाइन कर सकते हैं जहां पर मॉडल्स को कैट वाकिंग सिखा सकते हैं. कमाई इस क्षेत्र में आय कौशल और अनुभव के आधार पर अलग-अलग है.

जिन कोरियोग्राफर के पास नियमित कस्टमर्स होते हैं उनकी आमदनी बढ़िया होती है. अच्छी रेपुटेशन वाले कोरियोग्राफर की आय भी ज्यादा होती है. हालांकि प्रतिष्ठित कोरियोग्राफर पैसों की डिमांड करते हैं जबकि बिगिनर्स को जो मिलता है, उससे ही संतुष्ट होना पड़ता है.

संस्थान - नेशनल इंस्टीट् यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट), दिल्ली नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन (निफ्ड), ओडिसा नॉर्दर्न इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, मोहाली नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद

परिपक्वता से ही मिलती है कामयाबी

कामयाब होना है तो उसके सपने देखने ही होंगे और उन्हें सच करने के लिए आपको धर्य रखना होगा. याद रहे कि सपने देखने के लिए सोना पड़ता है और उससे भी पहले भोजन करना पड़ता है. क्या किसी ऐसे व्यक्ति को देखा है जो बिना खाये-पिये ही आराम से सो गया हो यानी उसे सहजता से नींद आ गयी हो? कामयाबी के सपने देखना और उसे पा लेने के बीच जो गैप है, उसे भरना आसान नहीं है. उसे भरते हैं आपके उद्देश्यपूर्ण तरीके और समय पर हथौड़ा मारने की कुशलता. आप जान लीजिए कि इन्हीं दो तरकीबों या साधनों को जरिया बनाकर आप चलते और चढ़ते हुए मंजिल तक पहुंचते हैं. दरअसल, सफलता और नाकामी के बीच का फासला 'सही' और 'एकदम सही' के बीच का फासला है. आपने सबकुछ अच्छा किया और समय पर किया लेकिन करते रहने की निरंतरता और उसके माध्यम से उपजने वाली परिपक्वता ही कामयाबी की रेशमी डोर है. ये डोर काफी मजबूत होती है, लेकिन शर्तों से बंधी भी होती है. आप देख सकते हैं कि जो डोर आपके जीवन के समूचे परिदृश्य को बदल डालने का दमखम रखती हो, वह हल्की या कमजोर तो हो नहीं सकती? सबसे पहले तो खुद को समझना होगा, इसके बाद खुद के सम्मान को समझना होगा. आप किसी भी बेहद कामयाब शख्स में ये दो चीज जरूर पाएंगे. कामयाबी स्मार्ट लोगों को खोजती है. ऐसे लोगों को, जो स्मार्ट ढंग से काम करते हैं, समय पर सही फैसले लेते हैं. अपनी कृति के लिए ग्राहक तलाशते समय कलाकार के दिमाग में ग्राहक की संतुष्टि सबसे पहले होती है. तभी आज एक और कल एक हजार ग्राहक बनते हैं. ऐसे स्मार्ट लोग अनेक तरह के लोगों के पास रहना चाहते हैं क्योंकि उन्हें ठीक से पता होता है कि क्वालिटी खोजने वाले स्मार्ट लोग है और यही उनकी तकदीर का निर्माण करेंगे, उसे उपलब्धि के शिखर की ओर ले जाएंगे. लेकिन ये सब खुद को सम्मान देने और खुद के दमखम को ईमानदारी से टटोले बिना हो पाना मुश्किल है. उत्साह के साथ कामयाबी तभी मिलती है जब रास्ते में ठोकरें खाकर भी आपके उत्साह में कोई कमी नहीं रहती. कामयाबी के जज्बे से भरे इंसान के लिए आंखों के सामने कोई रास्ता ना भी हो तो भी चिंता नहीं रहती. वे धीरे-धीरे ही सही, आगे बढ़ते जाते हैं. उन्हें कोई जल्दी भी नहीं रहती. ऐसे लोग कुछ भी पाना चाहें, तो वह उनकी जद के भीतर दिखता है. बस वे यही ध्यान रखते हैं कि खुद का धैर्य न खोयें. जब तक मंजिल हाथ ना लगे, वे धैर्य धारण किये रहते हैं और चैन से नहीं बैठते. इसलिए चाहे जो हो जाए, सपने देखना जारी रखिए. आपके सिवाय कोई दूसरा यह अहसास नहीं करने वाला है. बस याद रखिए और हमेशा गांठ बांधे रहिए कि अपनी जिंदगी का फैसला किसी और के हाथों में कतई मत पड़ने दीजिए.

पढ़ाई के साथ कमाई में बुराई नहीं!

पढ़ाई के दौरान युवाओं को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ता है. यदि वह पढ़ाई के साथ कमाना सीखें तो कई समस्याएं हल हो जाती हैं. बदलते वक्त के साथ पढ़ाई करते-करते काम करना और पैसे कमाना युवाओं की जिंदगी में शुमार हो चुका है. आज का युवा आर्थिक तौर से अपने पैरों पर खड़ा होना चाहता है क्योंकि यह बात उन्हें समझ में आने लगी है कि जब तक वे अपने पैरों पर खड़े नहीं होंगे तब तक आगे बढ़ने की सीमाएं उनके लिए सीमित हैं. विदेश में पढ़ाई करने वाले अधिकतर छात्र पार्ट टाइम जॉब जरूर करते हैं. इससे एक फायदा तो आर्थिक स्तर पर होता है, वहीं दूसरा फायदा यह होता है कि वे उस देश की संस्कृति-संस्कार और मार्केट को समझने के साथ संबंधित कार्य का अनुभव भी प्राप्त कर लेते हैं. युवाओं को स्वावलंबी होना खुद उनके लिए महत्वपूर्ण है. यदि वे काफी कम उम्र में आर्थिक तौर पर अपनी जिम्मेदारी उठाना सीख लेते हैं तो भविष्य में इसके फल मिलते हैं. पढ़ाई के साथ-साथ कमाई करने से पॉकेट मनी और रोजमर्रा की जरूरतों की तमाम खर्च पूरा करने में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता. अधिकतर छात्र पार्ट टाइम जॉब कर अपने करियर या कोर्स में वेल्यू एड करा लेते हैं क्योंकि प्रोफेशनल दौर में डिग्री और अनुभव दोनों मायने रखता है. पढ़ाई के साथ-साथ जॉब करने से कई फायदे हैं-

आर्थिक स्वावलंबन

आर्थिक तौर से अपने पैरों पर खड़ा होने की प्रवृत्ति युवाओं को पार्ट टाइम जॉब करने के लिए आकर्षित करती है. पार्ट टाइम जॉब करना हर किसी की जिंदगी में अलग मायने रखता है क्योंकि जब आप अपने फ्रेंड्स के साथ पार्टी में जाते हैं, घूमने जाते हैं, फिल्में देखने जाते हैं, तो वहां खर्च करने के लिए किसी के सामने आपको हाथ पसारना नहीं पड़ता है. परिवार के सदस्यों और दोस्तों को गिफ्ट भी दे सकते हैं और छोटे-मोटे खर्च के लिए आपको परिवार पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है. यदि आपका कोई साथी आर्थिक संकट से गुजर रहा है तो आप उसकी मदद भी कर सकते हैं.

वर्क एक्सपीरियेंस - पार्ट टाइम जॉब करने से जहां वर्क एक्सपीरियेंस होता है, वहीं युवा अपने मनोनुकूल या पढ़ाई के अनुरूप काम करने में सफल होते हैं. किसी भी कोर्स के दौरान यदि आप काम करते हैं तो रेज्यूमे में आपका अनुभव जुड़ता है और बाद में फ्रेश ग्रेजुएट की तुलना में आपको प्राथमिकता दी जाती है. वर्क एक्सपीरियेंस के जरिए फील्ड के अनुभव भी होते हैं. इससे जिम्मेदारी की भावना आती है और यही कारण है कि अधिकतर फर्म उन लोगों को ज्यादा तवज्जो दे रही हैं जिनके पास डिग्री के साथ-साथ अनुभव है. किसी भी संस्था में काम करने का अनुभव जहां आपकी सोच को विस्तृत करता है, वहीं प्रैक्टिकल अनुभव के दौर से भी गुजरते हैं. करियर की अधिकता अधिकतर फुल टाइम प्रोफेशनल्स उच्च डिग्री लेने की चाह रखते हैं और सीखने के साथ-साथ कमाना भी उनका लक्ष्य होनी चाहिए. पार्ट टाइम जॉब करने के पीछे जो भी इरादा हो लेकिन यह आपको आगे बढ़ने में मदद करता है. किसी भी संस्था के वर्क कल्चर को जानना और आप जब पूरी तरह प्रोफेशनल मार्केट में आते हैं, तो आपसे क्या उम्मीद की जाती है, इसकी जानकारी पहले से रहना मायने रखता है. भविष्य में अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अपने टीम मेंबर से बातें करना, बॉस या फिर कस्टमर से घुलना-मिलना भी महत्वपूर्ण चीजें हैं. हालांकि लोग मानते हैं कि पढ़ाई के दौरान जॉब करना ठीक नहीं है क्योंकि कई बार ऐसे मौके आते हैं जब छात्र पढ़ाई में कम, काम के प्रति ज्यादा गंभीर हो जाते हैं. पढ़ाई हमेशा पहली प्राथमिकता होनी चाहिए लेकिन जॉब कर आप जान पाते हैं कि एक-साथ दो चीजों को कैसे हैंडल किया जाता है. यही कारण है कि अधिकतर छात्र ऐसे कदम उठाने से पहले कई बार सोचने के लिए मजबूर होते हैं. इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि भारत का वर्तमान एजुकेशन सिस्टम वैसे स्किल्स को सामने लाने में अक्षम है जिससे बेरोजगारी खत्म हो. ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि उन्हें इस बात का ज्ञान हो कि किसी भी परिस्थिति में वे अपना आपा न खोएं और कोर्स और कार्य को बेहतर तरीके से निबटाएं.

ध्यान रखें - किसी भी कोर्स के दौरान यदि आप काम करते हैं तो रेज्यूमे में आपका अनुभव जुड़ता है और बाद में फ्रेश ग्रेजुएट की तुलना में आपको प्राथमिकता दी जाती है. पढ़ाई के साथ कमाएं जरूर लेकिन पढ़ाई को प्रभावित किये बिना. इतनी देर ही नौकरी करें जिससे आप बिना थके पढ़ाई कर सकें. वही कार्य करें जो आपके कोर्स या प्रोफेशन से जुड़ा हो, जिससे कोर्स खत्म होने पर इस कार्यानुभव का फायदा आप उठा सकें.

पढ़ाई के दौरान अधिकतर युवाओं को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ता है. जहां कोर्स की फीस बहुत अधिक हो गई है, वहीं एक्स्ट्रा कैलिकुलर एक्टिविटीज में भी पैसे खर्च होने लगे हैं. छोटे-छोटे अतिरिक्त खर्च से परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दो हेलीकॉप्टर टकराए, क्रू के सभी 10 सदस्यों की मौत

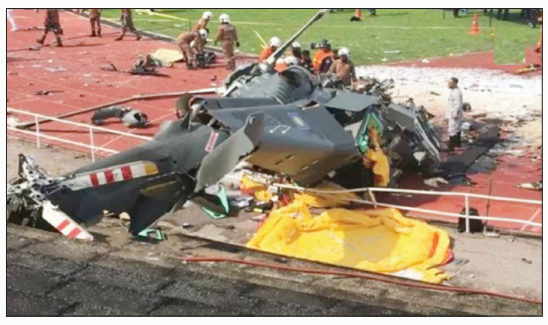

कुआलालंपुर। नेवी के एक समारोह की तैयारी कर रहे मलेशियन दो हेलीकॉप्टर आसमान में टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इस हादसे में क्रू के सभी 10 सदस्यों को मौत हो गई। बताया गया है कि यह हेलीकॉप्टर रॉयल मलयेशिन नेवी के एक समारोह के लिए तैयारी कर रहे थे। मलयेशियाई नौसेना के मुताबिक, घटना लुमुत नौसैन्य बेस पर सुबह करीब 9.30 बजे हुई। दुर्घटना के बाद सभी मृतकों के शव को लुमुत आर्मी बेस अस्पताल ले जाया गया। यहां उनकी पहचान के बाद शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हादसा तब हुआ, जब एक हेलीकॉप्टर का रोटर (पंखा) दूसरे हेलीकॉप्टर से टकरा गया और दोनों ही स्टेडियम के ग्राउंड में गिर गए।

ताइवान में लगे एक के बाद एक 80 झटके, कोई हताहत नहीं, मापी गई 6.3 तीव्रता, मामूली नुकसान की खबर

ताईपे। ताइवान के भूकंप प्रभावित पूर्वी काउंटी हुलिएन में सोमवार को आए भूकंप के झटकों के बाद मंगलवार सुबह कई भूकंप के झटके महसूत किए गए। इन भूकंप के झटकों से मामूली नुकसान होने की खबर है कोई जानी नुकसान नहीं हुआ। काउंटी हुलिएन में सोमवार शाम 5 बजे से रात 12 बजे के दौरान 80 से ज्यादा बार झटके लगे। इनमें सबसे ज्यादा तीव्रता 6.3 और 6 दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक, यह भूकंप के झटके रात 12 बजे के आसपास थोड़ी-थोड़ी देर के अंतर से आए। वहीं टीएसएमसी ने कहा कि उसने परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं देखा। बड़े पैमाने पर ग्रामीण और कम आबादी वाले हुलिएन में 3 अप्रैल को 7.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें कम से कम 14 लोग मारे गए थे, और तब से अब तक एक हजार से अधिक झटके महसूस किए जा चुके हैं। ताइवान की राजधानी ताइपे समेत उत्तरी, पूर्वी और पश्चिमी ताइवान के बड़े हिस्सों में इमारतें पूरी रात हिलती नजर आईं। ताइवान के सेंट्रल वेदर एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि सोमवार दोपहर से शुरू भूकंपों का सिलसिला शुरु हुआ जिसकी तीव्रता लगभग 180 आंकी गई। ताइवान के भूकंप विज्ञान केंद्र के निदेशक ने कहा कि झटके ऊर्जा का केंद्रित विमोचन थे और इससे भी ज्यादा तेज झटकों की उम्मीद की जा सकती है, हालांकि यह उतने मजबूत नहीं हैं। उन्होंने कहा, इस सप्ताह पूरे ताइवान में भारी बारिश की भविष्यवाणी के साथ, हुलिएन में लोगों को अलर्ट रहने को कहा गया है। हुलिएन के अग्निशमन विभाग ने कहा कि तीन अप्रैल को आए भूकंप से दो इमारतों को ज्यादा नुकसान हुआ है और वे झुक रही हैं। दुनिया की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट चिप निर्माता, ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी) ने कहा कि फ़ैक्टरियों के कुछ कर्मचारियों को निकाला गया था, लेकिन सुविधा और सुरक्षा प्रणालियाँ सामान्य रूप से काम कर रही थीं और सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं। मंगलवार की सुबह टीएसएमसी के ताइपे-सूचीबद्ध शेयरों में 1.75त्न की वृद्धि के साथ, निवेशकों ने भूकंप के बारे में चिंताओं को खारिज कर दिया। पर्वतीय हुलिएन काउंटी में आए भूकंप के झटकों से चट्टानों के गिरने के बाद कुछ सड़कें बंद होने की सूचना मिली है जिसके चलते सरकार ने स्कूल में छुट्टी घोषित कर दी है। बता दें कि ताइवान दो टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन के पास स्थित है और भूकंप के प्रति संवेदनशील है। 2016 में दक्षिणी ताइवान में आए भूकंप में 100 से ज्यादा लोग मारे गए थे, जबकि 1999 में 7.3 तीव्रता के भूकंप में 2,000 से अधिक लोग मारे गए थे।

भारतीय मूल के विवाहित व्यक्ति को 20 साल की सजा

सिंगापुर। भारतीय मूल के एक विवाहित व्यक्ति को गैर इरादतन हत्या का दोषी ठहराने के बाद 20 साल की सजा सुनाई गई। व्यक्ति ने अपनी प्रेमिका को अन्य पुरुषों के साथ संबंध होने को लेकर गुस्से में आकर धक्का दिया था, जिससे चोट लगने से महिला की मौत हो गई थी। एम कृष्णन ने मल्लिका बेगम राहतांसा अब्दुल रहमान (40) की अन्य पुरुषों के साथ संबंध होने को लेकर गुस्से में आकर उसकी पिटाई की थी। मल्लिका की 17 जनवरी 2019 को मृत्यु हो गई थी। 40 वर्षीय कृष्णन ने पिछले सप्ताह उच्च न्यायालय में अपना दोष स्वीकार कर लिया। न्यायाधीश वैलेरी थीन ने कहा कि कृष्णन ने 2018 में (पुलिस अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार के एक अन्य अपराध मामले के बाद) वादा किया था कि वह सुधर जाएगा, लेकिन उसने अपनी पत्नी और प्रेमिका के साथ दुर्व्यवहार जारी रखा। कृष्णन की पत्नी ने नवंबर 2015 में उसे और उसकी प्रेमिका को कमरे में एक साथ देखा था और दोनों शराब पी रहे थे, लेकिन उसने उस समय इस आशंका से कृष्णन से माफी मांग ली कि कहीं वह गुस्से में आकर उस पर शराब की बोतल ना फेंक दे। अदालत के दस्तावेजों में बताया गया है की कृष्णन ने 2017 में मल्लिका की एक छोटी सी बात पर पिटाई की थी। मल्लिका द्वारा कई पुरुषों के साथ यौन संबंध होने की बात स्वीकार करने के बाद दोनों के संबंध खराब होने लगे। 15 जनवरी, 2019 को मल्लिका और कृष्णनन जब घर में शराब पी रहे थे, तब उसी दौरान मल्लिका ने अन्य पुरुषों के साथ यौन संबंध होने और उस धोखा देने की बात कबूल की, जिससे नाराज होकर कृष्णनन ने अपनी प्रेमिका की पिटायी की और उसे धक्का दे दिया जिससे उसका सिर अलमारी से टकराया और उसकी मौत हो गई।

चीन में पुल से टकराकर जहाज डूबा, चार लापता

गुआंग्डोंग। दक्षिण चीन में एक जहाज के पुल से टकराने के बाद उसमें सवार चार लोग लापता हो गए। लापता लोगों की तलाश के लिए पुलिस अधिकारी और बचाव दल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार दक्षिण चीन के गुआंग्डोंग प्रांत के फ़ोशान शहर जिउजियांग ब्रिज के एक घाट से टकरा गया और बाद में डूब गया। जिसमें चालक दल के 11 सदस्य थे। उनमें से सात लोगों को बचा लिया गया जबकि चार लोग लापता हैं। मंगलवार सुबह लापता व्यक्तियों की तलाश के लिए 300 से अधिक पुलिस अधिकारी और समुद्री बचाव दल भेजे जा चुके हैं। दुर्घटना के कारण की जांच चल रही है। विशेषज्ञों ने पुल का प्रारंभिक मूल्यांकन किया और पाया कि पुल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। पुल के घाट पर खरोंच के निशान थे, पुल की सुरक्षा के लिए मूल्यांकन करने की जरुरत है। फिलहाल आसपास के जलक्षेत्रों में यातायात चालू कर दिया गया है। यह जानकारी शहर के आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने दी।

आतंकवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगाएंगे पाकिस्तान और ईरान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और ईरान ने सैद्धांतिक रूप से अपने-अपने देशों में आतंकवादी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि यह निर्णय पाकिस्तानी आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी के साथ उनके ईरानी समकक्ष अहमद वाहिदी और ईरान के न्याय मंत्री अमीन-होसैन रहीमी के बीच एक बैठक में लिया गया। बयान ने कहा कि पाकिस्तान और ईरान आपसी समर्थन में सुधार लाने और खुफिया जानकारी आदान-प्रदान करने के साथ ही आतंकवादी खतरे से निपटने के लिए एक संयुक्त कार्य योजना पर काम करने के लिए सहमत हो गए हैं। जारी बयान में यह भी कहा गया कि इस संबंध में जल्द ही एक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने का निर्णय लिया गया। पाकिस्तान और ईरान एक-दूसरे के देश में जेलों में बंद अपने नागरिकों पर लगाए गए जुर्माने को माफ करने पर भी सहमत हुए। दोनों देशों ने सीमा प्रबंधन में सहयोग बढ़ाने का भी फैसला किया जिसमें तस्करी और मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए कदम उठाना शामिल है। दोनों ईरानी मंत्री, राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के नेतृत्व वाले एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं, जो तीन दिवसीय पाकिस्तान की यात्रा आए हुए हैं।

कीव में यूक्रेनी सेना में शामिल होने के लिए जरुरी सैन्य परीक्षा में भाग लेते हुए नये रंगरुट।

ईरान पर बड़ा हमला करने जा रहा था इजरायल, एक फोन ने रोक ली बड़ी तबाही

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायल रातों-रात तेहरान समेत ईरान के बड़े सैन्य ठिकानों को तबाह करना चाहता था, इतने बड़े हमले की योजना थी कि ईरान को व्यापक पैमाने पर नुकसान हो। इजरायली अधिकारियों ने इस बात का खुलासा किया है कि इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ईरान को तगड़ी चोट देना चाहते थे लेकिन, एक फोन ने उनका इरादा बदल दिया। बता दे कि अभी इजरायल और ईरान के बीच हालात सामान्य होने का नाम नहीं ले रहे हैं। ईरान के 13-14 अप्रैल को मिसाइल और ड्रोन हमले के जवाब में इजरायल ने ईरान के न्यूक्लियर प्लांट के पास मिसाइल हमला किया, यह तो कंफर्म हो चुका है। लेकिन, रिपोर्ट से पता चला है कि इजरायल की शुरुआती प्लानिंग यह नहीं थी।

तीन इजरायली अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि ईरान के खिलाफ इजरायल की मूल जवाबी हमले की योजना में तेहरान सहित सैन्य ठिकानों पर व्यापक जवाबी हमला शामिल था। रिपोर्ट में इजरायली पीएम नेतन्याहू और बाइडेन ने फोन पर बातचीत में समझा कि इतने व्यापक और नुकसानदेह हमले को नजरअंदाज़ करना ईरान के लिए तब बहुत कठिन होता, जिससे ईरान के जबरदस्त जवाबी हमले की संभावना बढ़ जाती। इसलिए ऐन वक्त पर हमले की प्लानिंग और जगह को बदला गया।रिपोर्ट के अनुसार, गहन राजनयिक दबाव और दुनिया को एक और महायुद्ध से रोकने के लिए इजरायल ने अंततः यह

फैसला किया कि वह कम शक्तिशाली हमले का विकल्प चुनेगा। इजरायल का ईरान पर हमला गुरुवार-शुक्रवार के बीच रात के दरम्यान अंजाम दिया गया। इजरायली और पश्चिमी अधिकारियों का हवाला देते हुए, अखबार का यह भी कहना है कि इजरायल ने ईरान के पश्चिम में कई सौ मील की दूरी पर तैनात विमानों से छोटी संख्या में मिसाइलें दागीं, और ईरानी वायु सुरक्षा को भ्रमित करने के लिए छोटे हमले वाले ड्रोन भी लॉन्च किए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल की एक मिसाइल ने ईरान के एस -300 एयर डिफेंस सिस्टम पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त किया था। इस इलाके के पास ईरान का परमाणु प्लांट है। इस हमले की इजरायल ने न ही आधिकारिक तौर पर जिम्मेदारी ली है और न ही ईरान ने खुद पर हमला होने की बात कबूली है। ईरान का कहना है कि अगर उस पर हमला हुआ होता तो उसकी वायु रक्षा प्रणाली ऐक्टिव हो जाती, जो कि ऐसा नहीं हुआ।

चुपचाप चीन की निजी यात्रा पर रवाना हुए पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पांच दिवसीय ''निजी यात्रा पर चीन रवाना हुए। शरीफ परिवार यात्रा को लेकर सार्वजनिक रूप से कुछ भी कहने से बचा रहा है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने बताया कि उसके सर्वोच्च नेता अपने पोते जुनैद सफदर और निजी कर्मचारियों के साथ लाहौर हवाई अड्डे से 'चाइनीज सदर्न एयरलाइंस' की उड़ान से एक निजी यात्रा पर चीन रवाना हुए।

पीएमएल-एन ने पूर्व पीएम शरीफ की चीन की पांच दिवसीय यात्रा के विस्तृत विवरण की जानकारी नहीं दी है। शरीफ चीन में चिकित्सकीय जांच कराएंगे और पंजाब में विकास परियोजनाओं के संबंध में कुछ चीनी कंपनियों के साथ बैठक करने वाले है। उनकी बेटी मरियम नवाज पंजाब की मुख्यमंत्री हैं। बताया जा रहा है कि विदेश मंत्री इशाक डार भी उनके साथ यात्रा पर गए हैं। पीएमएल-एन हलकों में ये अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि शरीफ चीन में संभवतः किसी ''विशेष काम'' से गए हैं। शरीफ पहले कभी चिकित्सकीय कारणों से चीन नहीं गए। वह 2019 में चिकित्सकीय आधार पर ब्रिटेन गए थे और पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार गिरने के बाद 2023 में लौटे थे। उनके छोटे भाई शहबाज शरीफ केंद्र में छह दलों के गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर लगे आरोप को उनके वकील ने बताया झूठा

वाशिंगटन (एजेंसी)। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर दो अलग-अलग मामलों में गंभीर आरोप हैं। क्या उन्होंने निष्पक्ष चुनाव के नतीजों को पलटकर और अवैध रूप से सत्ता में बने रहने का प्रयास किया था? वहीं पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर राष्ट्रपति अभियान के दौरान पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को कथित रूप से छुपाए गए पैसे के भुगतान को कवर करने के लिए कानून के तहत आरोप लगाया है। ट्रम्प पर तथाकथित गुप्त धन मामले में व्यावसायिक रिकॉर्ड को गलत साबित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया है।

अभियोजकों ने कहा कि ट्रंप ने 2016 राष्ट्रपति चुनाव से पहले पोर्न स्टार को गुप्त रूप से धन देकर न केवल प्लेबॉय मॉडल के साथ अपने यौन संबंध को छिपाने की कोशिश की, बल्कि उन्होंने पैसे देने की जानकारी छिपाकर 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को ही भ्रष्ट किया। हालांकि, ट्रंप के वकीलों ने कोर्ट में विरोधी वकीलों के आरोपों को नकार कर कहा, कि ट्रंप ने ऐसी कोई गलती नहीं की है। उनका आरोप था कि झूठे रिकॉर्ड राज्य और संघीय चुनाव कानून के उल्लंघन को कवर करने के प्रयास का हिस्सा थे, हालांकि यह अभी भी प्रत्यक्ष चुनाव हस्तक्षेप का प्रकार नहीं है जैसा कि ट्रम्प पर अन्यंत्र आरोप लगाया गया है। ट्रंप ने स्वयं न्यूयॉर्क मुकदमे और उनके खिलाफ तीन अन्य आपराधिक मामलों को चुनावी हस्तक्षेप के रूप में संदर्भित किया है, बिना सबूत के सुझाव दिया है कि वे व्हाइट हाउस में लौटने के उनके अभियान को कमजोर करने की डेमोक्रेटिक योजना का हिस्सा हैं। न्यूयॉर्क मामले को पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ सबसे कम परिणामी के रूप में देखा जाता है।

चेतावनी : मंगल से आ सकता है खतरनाक वायरस

- खतरों से निपटेगा नासा, अरबों रुपए करेगा खर्च

वॉशिंगटन (एजेंसी)। आज वैज्ञानिक तरह-तरह की चीजों पर पता लगा रहे हैं और कई ऐसी चीजें भी इजात कर रहे हैं जिससे मानवजाति को फायदे के साथ-साथ नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। यह पृथ्वी पर पैदा किए हुए हथियार ही नहीं। ग्रह, क्षुद्रग्रह, या उलकापिंड के जरिए आए खतरनाक और जानलेवा सूक्ष्मजीव भी हो सकते हैं। यह आशंका मंगल ग्रह से आने वाले नमूनों से जाहिर होती है और कोई भी इस संभावना को सिरे से खारिज नही कर सकता है। अब नासा इस तरह के खतरों से निपटने के लिए अंतरिक्ष सुरक्षा में व्यापक बदलाव का मसौदा तैयार करने जा रहा है, इसके लिए अरबों डॉलर खर्च करने का तैयारी में है।

एस्ट्रोबायोडिफेंस फोर्स लाल ग्रह से आने वाले नमूनों के जरिए संभावित खतरों से निपटने में पूरी तरह सक्षम होंगा। नासा अंतरिक्ष सुरक्षा में व्यापक बदलाव का मसौदा तैयार करने जा रहा है, जिसमें अरबों डॉलर का खर्च आएगा। एक एस्ट्रोबायोडिफेंस बल जरूरी हो सकता है क्योंकि नासा मंगल ग्रह के टुकड़ों को हमारे ग्रह पर लाना शुरू कर रहा है। लाल ग्रह की सतह से लिए गए नमूनों को कुछ विवादों का सामना करना पड़ा है क्योंकि सार्वजनिक निकायों ने चेतावनी दी है कि उन वस्तुओं से जुड़े पारिस्थितिक रूप से भूखे रोगाणु हमारे ग्रह पर फैल सकते हैं। किसी भी संभावित जैविक परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए जैवरक्षा पर द्विदलीय आयोग पहले ही स्थापित किया जा चुका है। डेमोक्रेटिक कांग्रेस महिला डोना शालाला और पूर्व अमेरिकी अटॉर्नी और रिपब्लिकन कांग्रेस महिला सुसान ब्रूक्स इन नमूनों को वापस लाने के चलते आने वाले खतरों के लिए चेता रही हैं। उन्होंने एक संयुक्त बयान जारी कर दुनिया को चेताया है कि अंतरिक्ष अन्वेषण हमारे समय की कुछ बड़ी चुनौतियां और अवसर प्रदान करता है, लेकिन जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, हम खुद को नए और पहले से अप्रत्याशित खतरों से भी परिचित कराते हैं। नमूने लौटाने के लिए नासा के अरबों डॉलर के बजट के हिस्से के रूप में, अंतरिक्ष संगठन के पास 11 अरब डॉलर से भी कम है।

राष्ट्रपति मुइज्जू को लगने लगा- भारत की खिलाफत ही उन्हें सत्ता पर काबिज रखेगी

माले (एजेंसी)। मालदीव में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने हाल ही में हुए चुनाव में प्रचंड बहुमत हासिल किया है। इससे पहले लग रहा था कि उन्हे इस चुनाव में ज्यादा नुकसान होने वाला है। तर्क दिए जा रहे थे कि भारत के साथ संबंध खराब होने के कारण मुइज्जू को नुकसान हो सकता है। लेकिन स्थिति बिलकुल विपरीत रही। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पार्टी ने संसदीय चुनाव में रिकॉर्ड 71 सीटों पर जीत दर्ज करके ''प्रचंड बहुमत'' हासिल कर लिया है। इस चुनाव को राष्ट्रपति मुइज्जू के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा था। उनकी नीतियों को लेकर भारत और चीन की नजर रहती है। बंपर जीत के बाद मुइज्जू का बड़बोला बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि आम चुनाव के नतीजों ने दुनिया को दिखा दिया कि मालदीव के लोग अपना भविष्य अपनी मर्जी से चुनते हैं और वे किसी तरह का विदेशी दबाव नहीं चाहते। भारत का नाम न लेते हुए उन्होंने कहा कि हिडन एजेंडे वाले लोगों के लिए भी यह स्पष्ट सबक है।

88 भारतीय सैन्य कर्मियों में से अधिकांश को भारत भेजने का फैसला लेने वाले चीनी समर्थक नेता मुइज्जू ने कहा, हम एक गौरवान्वित राष्ट्र हैं जो संप्रभुता और स्वतंत्रता से प्यार करते हैं, जिसे हमने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी दिखाया है। उन्होंने कहा कि संसदीय चुनाव परिणाम इस बात का सबूत है कि मालदीव के लोग देश के भविष्य को आकार देने में मुख्य पहचान के रूप में इस्लामी आस्था और उसके मार्गदर्शक सिद्धांतों को बनाए रखना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि चुनाव का नतीजा मालदीव के लोगों के दृष्टिकोण और उद्देश्यों के बारे में शेष दुनिया के लिए एक संदेश है।राष्ट्रपति मुइज्जू ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, संसदीय चुनाव परिणाम यह साबित करने के लिए भी था कि मालदीव के लोग विदेशी दबाव के बिना अपना भविष्य चुनने में स्वायत्तता चाहते हैं। उन्होंने पहले भारत पर मालदीव के मामलों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है और पिछले साल सितंबर में इंडिया आउट अभियान के साथ उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव जीता था। राष्ट्रपति ने कहा, हिडन एजेंडे वाले लोगों के लिए भी यह स्पष्ट हो गया है कि मालदीव के लोग क्या चाहते हैं। इसलिए, मैं उनसे आग्रह करता हूं कि अब जब चुनाव खत्म हो गए हैं, तो वे असंतोष को छोड़ दें। बता दें कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को चीन का समर्थक माना जाता है। मालदीव में सरकार बनाते ही मुइज्जू ने भारत विरोधी कार्य शुरू कर दिए थे। उन्होंने राष्टपति बनने के बाद भारतीय सेना को वापस भेजना शुरू किया और चीन से दोस्ती को और गहरा किया। चीन की सरकार ने मालदीव में ऐतिहासिक जीत पर मुइज्जू को बधाई दी है। मुइज्जू के नेतृत्व वाली पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने रविवार को हुए चुनाव में 93 में से 68 सीट जीतीं और इसके गठबंधन साझेदारों-मालदीव नेशनल पार्टी (एमएनपी) तथा मालदीव डेवलेपमेंट एलायंस (एमडीए) ने क्रमश-एक और दो सीट जीती हैं। मुइज्जू ने सोमवार को कहा कि आम चुनाव के नतीजों ने दुनिया को दिखाया है कि मालदीववासी अपना भविष्य चुनने में स्वायत्तता चाहते हैं, विदेशी दबाव नहीं।

मौका मिलते ही गाजा के साथ कश्मीर का भी राग अलापने लगा पाक

तेहरान (एजेंसी)। पाकिस्तान हमेशा से ही कश्मीर का राग अलापता रहा है। उसे जहां मौका मिलता है वो उसका फायदा उठाने की कोशिश करता है। हाल ही में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी तीन दिन के पाकिस्तान दौरे पर पहुंचे हैं। इस मौके पर सोमवार को पाकिस्तान ने एक बार फिर से इस्लामिक कार्ड खेला। गहरे आर्थिक संकट से गुजर रहे पाकिस्तान ने इस दौरान एक तरफ ईरान को कश्मीर के मसले पर साथ देने के लिए धन्यवाद दिया तो वहीं उसके साथ अपने रिश्ते को सदियों पुराना बताया। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने कहा कि हमारे ईरान से रिश्ते 76 साल पुराने नहीं हैं बल्कि सदियों के हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भले ही 1947 में अस्तित्व में आया, लेकिन इस क्षेत्र से ईरान का पुराना नाता रहा है। यही नहीं जब पाकिस्तान बना तो उसे मान्यता देने वालों में ईरान सबसे आगे था।यही नहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस दौरान इब्राहिम रईसी को अपना बिरादरी भाई बताया।

रईसी को जान-ए-बारादर संबोधित करते हुए शहबाज शरीफ ने कहा कि आपने ऐसे वक्त में गाजा के लिए आवाज उठाई, जब दुनिया में कोई साथ नहीं दे रहा था। यही नहीं इस दौरान शहबाज शरीफ ने गाजा में मारे गए 35 हजार लोगों को मुसलमानों का शहीद होना करार दिया। इसके अलावा उन्होंने कश्मीर का भी राग अलापा और गाजा से तुलना करते हुए कहा कि वहां भी भारत के अत्याचार की वजह से मुसलमानों का खून गिर रहा है। शहबाज शरीफ ने दुनिया के मुसलमानों से एकता की अपील भी की। इस तरह पाकिस्तान बाज नहीं आया और ईरान के राष्ट्रपति के दौरे पर कश्मीर का मुद्दा उठा दिया। हालांकि इस मामले में ईरान ने उसे करारा झटका दिया। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने अपने बयान में गाजा के लिए समर्थन करने पर पाकिस्तान का शुक्रिया अदा किया। इस्लामिक एकता की भी बात कही, लेकिन कश्मीर का नाम तक नहीं लिया। इस तरह पाकिस्तान का एजेंडा ईरानी राष्ट्रपति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ही खड़े-खड़े ध्वस्त कर दिया। उन्होंने खुलकर इस्लामिक एकता की वकालत की और कहा कि आज मुसलमानों को एकजुट रहने की जरूरत है। फिर भी कश्मीर के बारे में कुछ नहीं बोला। सऊदी अरब, तुर्की, ईरान जैसे बड़े

मुस्लिम देशों के नेताओं से मुलाकात के दौरान पाकिस्तान के नेता कश्मीर का मुद्दा उठाते रहे हैं। हालांकि सऊदी अरब और ईरान जैसे देशों से उसे झटका ही लगता रहा है। हालांकि तुर्की कई बार कश्मीर का मसला उठा चुका है, जिस पर भारत ने ऐतराज भी जताया था। गौरतलब है कि गाजा में इजरायली हमले में अब तक करीब 35 हजार लोग मारे जा चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने फिर की बाबा की खिंचाई... प्रकाशित माफीनामे के साइज पर उठाए सवाल

नई दिल्ली । पतंजलि आयुर्वेद की ओर से अपनी दवा कोरोनिल को कोरोना से निपटने वाली औषधि बताने के प्रचार पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फिर लताड़ लगा दी। अदालत ने पतंजलि आयुर्वेद और बाबा रामदेव से कहा था कि वे इस मामले में सार्वजनिक माफी मांगें। इसके पहले बाबा रामदेव और पतंजलि के एमडी आचार्य बालकृष्ण ने अदालत में हाथ जोड़कर माफी मांगी थी। लेकिन कोर्ट ने उन दोनों की माफी को खारिज कर दिया था। इसके बाद बाबा ने कहा था कि हम सार्वजनिक माफी के लिए तैयार हैं। इसके बाद अदालत ने एक सप्ताह का वक्त दिया था। अब अदालत ने अखबारों में छपे माफीनामे पर ही सवाल उठा दिया। बेंच ने सवाल किया कि आखिर माफीनाम कल ही क्यों प्रकाशित किया गया। इसके अलावा बेंच ने सवाल उठाया कि क्या आपका माफीनाम उतना बड़ा ही छपा है, जितना बड़ा विज्ञापन होता है। इस पर पतंजलि आयुर्वेद के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि इस माफीनामे में सुप्रीम कोर्ट में वकीलों की पेशी के बाद भी प्रेसवार्ता करने और विज्ञापन में गलत दावा करने पर माफी मांगी गई है। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट की ओर से विज्ञापन और माफीनामे के साइज को लेकर जब सवाल उठाया गया, तब उन्होंने कहा कि इसके प्रकाशन में 10 लाख रुपये का खर्च आया है। बाबा के वकील ने बताया कि हमने कल कई अखबारों में माफीनामा छपवाया है। पतंजलि आयुर्वेद की ओर से छपे माफीनामे में कहा गया है, पतंजलि आयुर्वेद सुप्रीम कोर्ट की गरिमा का बेहद सम्मान करता है। हम विज्ञापन छपवाने और सुप्रीम कोर्ट में वकीलों के बयान के बाद भी प्रेसवार्ता करने के लिए माफी मांगते हैं। हम इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि भविष्य में ऐसी कोई गलती न हो।

रिपोर्ट में हुआ खुलासा- जहर से नहीं हुई मुख्तार अंसारी की मौत

बांदा। बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की 28 मार्च 2024 (गुरुवार) को देर रात मौत हो गई थी। इसको लेकर आरोप लग रहे थे कि मुख्तार अंसारी को जहर दिया गया है। अब विसरा की जांच रिपोर्ट सामने आ गई है, जिसमें जहर से मरने की पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल विसरा रिपोर्ट को न्यायिक टीम को सौंप दी गई है। इससे पहले बांदा जेल में मुख्तार अंसारी की मौत को लेकर उनके भाई, बेटे और परिजनों ने मुख्तार को जेल में जहर देने का आरोप लगाया था। जिसके लिए प्रशासनिक व न्यायिक जांच बैठी थी। जानकारी के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार मुख्तार अंसारी की हार्ट अटैक से मौत होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद भी जहर देने के शक में विसरा लखनऊ जांच के लिए भेजा गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मुख्तार अंसारी की विसरा जांच रिपोर्ट आने के बाद इसे न्यायिक जांच टीम को भेजा गया है। रिपोर्ट में जहर देने की पुष्टि नहीं की गई है।बता दें कि बांदा जेल की बैरक में मुख्तार अंसारी की तबीयत खराब होने पर जेल प्रशासन रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले आए थे जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही थी। सूचना मिली कि मुख्तार को आईसीयू से सीसीयू में भर्ती करना पड़ा। यहां मुख्तार के इलाज में 9 डॉक्टरों की टीम लगाई गई थी। हालांकि, मुख्तार की जान नहीं बच सकी। इससे पहले मंगलवार को उसे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने कब्ज की समस्या बताई थी और इलाज के बाद उसी दिन कारागार भेज दिया था।

कर्नाटक, गुजरात स्वच्छ ऊर्जा अपनाने में सबसे आगे : रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश में स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने में कर्नाटक और गुजरात सबसे आगे हैं, जबकि झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को प्रयास बढ़ाने की जरूरत है। शोध संगठन इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस (आईईईएफए) और स्वच्छ ऊर्जा थिंक टैंक एम्बर की संयुक्त रिपोर्ट में मंगलवार को यह बात कही गई। रिपोर्ट के लेखकों ने कहा कि कर्नाटक और गुजरात ने सभी आयामों में अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। इन राज्यों ने अपने बिजली क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को प्रभावी ढंग से जोड़ा है, जिससे कार्बन उत्सर्जन कम करने में मजबूत प्रगति हुई है। दूसरी ओर झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को सुधार की जरूरत है। यह रिपोर्ट ऐसे वक्त में जारी हुई है जब भारत के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी की लहर चल रही है। इसके कारण बिजली मंत्रालय 260 गीगावाट की अनुमानित अधिकतम बिजली मांग की तैयारी कर रहा है। भीषण गर्मी के मौसम में सौर ऊर्जा जैसी अधिक स्वच्छ ऊर्जा के लिए अनुकूल स्थितियां पैदा होती हैं। आईईईएफए के निदेशक (दक्षिण एशिया) और रिपोर्ट में योगदान करने वाले लेखक विभूति गर्ग ने कहा कि चक्रीय मौसमी परिस्थितियों के साथ ही तेज आर्थिक गतिविधियों के कारण भारत में हर साल अधिकतम बिजली की मांग बढ़ रही है। केंद्र सरकार ग्रिड में अधिक नवीकरणीय ऊर्जा को जोड़ने के लिए कदम उठा रही है, हालांकि राज्यों को भी ऐसा करने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अब राज्य स्तर पर कई मापदंडों की लगातार निगरानी करने की जरूरत है। एम्बर के एशिया कार्यक्रम निदेशक और रिपोर्ट में योगदान करने वाले लेखक आदित्य लोला ने कहा कि कुछ राज्यों ने विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा नियोजन को बढ़ावा देने, कृषि जरूरतों के लिए सौर पंपों को बढ़ावा देने और अपनी बिजली प्रणालियों में अधिक नवीकरणीय ऊर्जा जोड़ने के लिए भंडारण समाधान बढ़ाने जैसे प्रगतिशील कदम उठाए हैं।

मुंबई हवाई अड्डे पर साढ़े छह करोड़ का सोना-हीरा जब्त, चार गिरफ्तार

मुंबई। पिछले कुछ महीनों से देशभर में सोने की तस्करी की घटनाओं में भारी बढ़ोतरी हुई है। उधर, कस्टम विभाग के अधिकारी भी बढ़ रहे मामलों को देखते हुए सतर्क हैं और सोने की तस्करी करने वाले आरोपियों की धरपकड़ कर रहे हैं. इस बीच कस्टम विभाग ने सोमवार को मुंबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नूडल्स और अंडरवियर के पैकेट के जरिए तस्करी कर लाए जा रहे करोड़ों रूपये मूल्य के सोना और हीरा जब्त किया है. मिली जानकारी के अनुसार कस्टम विभाग को इसकी जानकारी मिली थी. सूचना मिलते ही अधिकारियों ने संदिग्धों की तलाश की. इस दौरान आरोपियों के पास 254.71 कैरेट के प्राकृतिक हीरे और 977.98 कैरेट के प्रयोगशाला में विकसित हीरे कुल 2 करोड़ रुपये के हीरे पाए गए। इसके अलावा आरोपियों के पास 4.4 करोड़ रुपये मूल्य का 6.8 किलो सोना भी मिला. इन हीरों के साथ-साथ सोने की तस्करी नूडल्स के पैकेट और अंडरगारमेंट्स में की गई थी। इस मामले में कस्टम विभाग के अधिकारियों ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. जब्त हीरे और सोने की कुल कीमत करीब 6 करोड़ 46 लाख रुपये है. बताया गया है कि कोलंबो से मुंबई आये एक विदेशी नागरिक को हवाई अड्डे पर रोका गया और उसके अंडरगारमेंट्स के अंदर छुपाकर 24 कैरेट सोने की छड़ें और एक कटा हुआ टुकड़ा, जिसका कुल वजन 321 ग्राम था, ले जाते हुए पाया गया। वहीं मुंबई से बैंकॉक जा रहे एक भारतीय नागरिक को रोका गया और उसे अपने ट्रॉली बैग के अंदर नूडल्स के पैकेट में छिपाकर हीरे की तस्करी करते हुए पाया गया। प्राकृतिक हीरे 254.71 कैरेट और प्रयोगशाला में विकसित हीरे 977.98 कैरेट जिनकी कीमत 2.02 करोड़ रुपये है, बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक इतनी बड़ी मात्रा में जब्त किया गया सोना विमान के जरिए विदेश से तस्करी कर लाया जा रहा था. मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग के अधिकारी ने चारों आरोपियों से गहन पूछताछ कर उन्हें कोर्ट में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आपको बता दें कि पिछले महीने कस्टम विभाग की टीम ने तस्करी के दो बड़े मामलों में दुबई से लाया गया करोड़ों रुपये का सोना जब्त किया था.

सलमान खान के बाद अब विधायक जितेंद्र आह्वाड बिश्नोई गैंग के रडार पर

मुंबई। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता सलामन खान के घर पर गोली चलाई गई। वहीं इस फायरिंग की घटना की जिम्मेदारी सोशल मीडिया के जरिए बिश्नोई गैंग ने ली. इसके बाद मुंबई पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दिया और दो लोगों को गुजरात के भुज से गिरफ्तार किया. इसके बावजूद बिश्नोई गैंग शांत नहीं है. अब उसने शरद पवार गुट के एनसीपी नेता व विधायक जितेंद्र आह्वाड को अपने रडार पर लिया है. खबर है कि इस गैंग ने उन्हें धमकी देते हुए लाखों रुपये की फिरौती मांगी है.

लॉरेंस बिश्नोई गैंग महाराष्ट्र में सक्रिय- लॉरेंस बिश्नोई पंजाब का एक गैंगस्टर है। उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं. इसी गैंग ने पंजाबी गायक सिद्धू मूसवाला की हत्या की थी. जिसके बाद हर तरफ इसकी चर्चा हो रही है. गैंग के दो लोगों ने पिछले हफ्ते सलमान खान के मुंबई के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट पर पांच राउंड फायरिंग की थी। पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए कई टीमें बनाईं.

वोटरों को बूथ तक लाने के लिए भाजपा ने बनाई विशेष रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बचे हुए छह चरणों में मतदाताओं को बूथ तक लाने के लिए भाजपा ने विशेष रणनीति तैयार कर ली है। पार्टी की कोशिश है कि अपने कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा उत्साहित कर मतदाताओं को वोटिंग वाले दिन मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि मतदान का प्रतिशत भी बढ़े और पार्टी की जीत का अंतर भी।

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दिन में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए पार्टी के कार्यकर्ताओं से लोगों के घर-घर जाकर वोटरों से सीधा संपर्क स्थापित करने और मतदान के दिन टोलियां बनाकर उत्सव मनाते हुए पोलिंग बूथ पर जाने का आह्वान किया था। उन्होंने देशभर के पार्टी कार्यकर्ताओं को मतदाताओं को वोट करने के लिए प्रेरित करने की नसीहत देते हुए कहा था, ÷मेरा आपसे अनुरोध है कि आप घर-घर जाइए, सभी मतदाताओं के पास जाकर इन सारे विषयों के बारे में घर में बैठकर उन्हें बताइए और उनसे वादा लीजिए कि घर में शादी हो या छुट्टी हो लेकिन वे वोट करने जाएंगे। उनसे पक्का वादा लीजिए और और दूसरा काम, जब मतदान हो तो अपने पोलिंग बूथ पर उत्सव मनाइए। यह लोकतंत्र का उत्सव है, आनंद उत्सव होना चाहिए। छोटी-छोटी 15-20 लोगों की टोलियां बनाकर गीत गाते-गाते मतदान करने के लिए जाएं और हमारे गांव वाले तो तुरंत गीत बना भी लेते हैं। लोकतंत्र का जय-जयकार करते हुए जाए,उत्सव मनाएं और फिर मतदान कर वापस लौटें। तीसरा काम, हमें पोलिंग बूथ जीतना है। हमें एक भी पोलिंग बूथ हारना नहीं है। घर-घर जाना है। मतदाताओं को मिलकर सारी बातें बतानी है, सिर्फ दरवाजे पर पर्चा देकर नहीं आना है, बल्कि उनके घर में जाकर बैठना है, उनका पानी पीना है और उनसे 5-10 मिनट बात करनी है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के बाद सोमवार को ही देर रात भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। जिस बैठक में नड्डा के अलावा केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल, विनोद तावड़े, तरुण चुग, अरुण सिंह और दुष्यंत गौतम सहित अन्य कई नेता शामिल हुए।

सूत्रों के मुताबिक, सोमवार को देर रात तक चली बैठक में शाह और नड्डा ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर देशभर में चलाए रहे चुनाव प्रचार अभियान, प्रथम चरण के तहत देश के 21 राज्यों और संघ शासित प्रदेशों की 102 लोकसभा सीटों पर हुए मतदान और पार्टी द्वारा चलाए जा रहे तमाम चुनावी अभियानों की समीक्षा की। सूत्रों की मानें तो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के मुताबिक बैठक में बूथ स्तर तक जाकर चुनाव के बचे हुए 6 चरणों मे मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा की गई। मतदाताओं से सीधा संपर्क स्थापित करने के लिए घर-घर जाकर उन्हें अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर और कांग्रेस के घोषणापत्र सहित उन तमाम मुद्दों के बारे में जानकारी देने की रणनीति भी तैयार की गई, जिन मुद्दों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं अपनी चुनावी जनसभाओं में लगातार उठा रहे हैं।

भारत तोड़ो की राजनीति तुरंत बंद करे कांग्रेस : प्रमोद सावंत

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता विरियाटो फर्नांडीस के गोवा पर भारतीय संविधान थोपने संबंधी बयान पर राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भयावह करार देकर निशाना साधा है। सीएम सांवत ने कहा मैं इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयान से स्तब्ध हूं। कांग्रेस को भारत तोड़ो राजनीति को तुरंत बंद करना चाहिए। गोवा के मुख्यमंत्री और भाजपा के स्टार प्रचारक प्रमोद सावंत ने एक्स पर कांग्रेस नेता फर्नांडीस के चुनावी सभा में भारतीय संविधान को लेकर टिप्पणी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस के दक्षिण गोवा उम्मीदवार की टिप्पणियों से स्तब्ध हूं, जिसमें दावा किया है, कि भारतीय संविधान को गोवावासियों पर जबरदस्ती थोपा गया है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का पूरे दिल से मानना था कि गोवा भारत का अभिन्न अंग है। कांग्रेस ने गोवा की मुक्ति में 14 वर्ष की देरी की। अब, उनके उम्मीदवार ने भारतीय संविधान को कमजोर करने की हिम्मत की। सीएम सांवत ने कहा कि कांग्रेस को इस लापरवाह भारत तोड़ो राजनीति को तुरंत बंद करना चाहिए। कांग्रेस हमारे लोकतंत्र के लिए खतरा है। गौरतलब है कि फर्नांडीस दक्षिण गोवा से कांग्रेस के लोक सभा उम्मीदवार हैं। उन्होंने कहा था कि वर्ष 1961 में पुर्तगाली शासन से आजादी के बाद गोवा पर भारतीय संविधान थोपा गया था। इस दौरान फर्नांडीस ने पिछले लोकसभा के दौरान राहुल गांधी के साथ अपनी बातचीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मैंने 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान उनके सामने भी इस मुद्दे को उठाया था।

योगी आदित्यनाथ की हुंकार, बोले- भारत अंबेडकर के बनाए संविधान से चलेगा देश, किसी शरिया कानून से नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की और कहा कि भारत 'भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान से चलेगा, किसी शरिया कानून से नहीं'। उत्तर प्रदेश में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए, योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर परोक्ष हमला किया और कहा कि 1970 में, पार्टी ने 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया, और, 'ग़रीबी तो ख़त्म नहीं हुई लेकिन एक परिवार को देश के संसाधनों को लूटने की पूरी आज़ादी मिल गई।'

योगी ने आगे कहा, 'तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री रहते हुए कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है...तो हमारे दलित, पिछड़े, गरीब, किसान आदि कहां जाएंगे?' उन्होंने कहा कि आजादी के 70 साल बाद भी कांग्रेस और उसके सहयोगियों का शासन रहा, फिर भी 50 करोड़ लोगों के पास बैंक खाता नहीं था...अगर इतने सारे लोग इन बुनियादी जरूरतों से वंचित हैं तो इसके लिए कांग्रेस और उसके सहयोगी जिम्मेदार हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वे (कांग्रेस) गरीबी दूर नहीं कर पाए लेकिन अब उनकी नजर लोगों की मेहनत की कमाई, संपत्ति और आभूषणों पर है। वे महिलाओं की मेहनत की कमाई और उनकी मेहनत से बनाए गए आभूषणों को लूटने की कोशिश कर रहे हैं... वे केवल देश को विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं... अब भारत के लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे।' बागपत में योगी आदित्यनाथ ने कहा ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में दो बाते नजर आती हैं पहला- कांग्रेस कहती है कि शरिया कानून लागू कर देंगे इसका मतलब वे बाबा साहब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान के लिए खतरा पैदा करना चाहते हैं। तालिबानी शासन लागू करना चाहते हैं। उनका घोषणा पत्र कहता है कि गरीबी हटा देंगे। वो बेटी, बहनों और माताओं के गहनों को जब्त करने की साजिश रच रहे हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि आज जो INDI गठबंधन के रूप में आपके सामने आए हैं उन्होंने देश के साथ गद्दारी की है और फिर से गद्दारी करने के लिए ये अपने घोषणापत्र के साथ आपके सामने आए हैं... कांग्रेस कहती है कि हमारी सरकार बनी तो हम शरिया कानून लागू करेंगे...भारत बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान से चलेगा न कि किसी शरिया कानून से।

पीएम मोदी लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए अगले माह पंजाब में रैलियों व बैठकों में हिस्सा लेंगे

-पुलिस सुरक्षा के लिये तैयार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए अगले महीने पंजाब आएंगे। वे रैलियों व बैठकों में हिस्सा लेंगे। इसके लिये मान सरकार की आम राज्य प्रबंध विभाग की प्रोटोकॉल शाखा ने सभी विभाग के प्रमुख, डीसी, पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा इंतजाम को लेकर एक पत्र जारी किया है। पत्र में निर्देश दिए गए हैं कि पीएम की सुरक्षा के इंतजाम को लेकर नियमों का पालन किया जाए। पत्र के अनुसार राज्य स्तर पर सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर जो भी इंतजाम किए जाते हैं वह पूरे होने चाहिए। इसमें सुरक्षा बैरिकेड्स, पार्किंग सुविधा व हेलीपैड समेत अन्य प्रबंध शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा जल्द ही अपने स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी करने की तैयारी कर रही है। इसी तरह कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता भी अगले माह से पंजाब में दस्तक देना शुरू कर देंगे। भाजपा ने अभी तक 9 और कांग्रेस ने 6 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। दोनों पार्टियों के अनुसार सभी सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा के साथ ही वह प्रदेश में अपना प्रचार भी तेज कर देंगे। बता दें कि भाजपा ने चुनाव आयोग से अपील की थी कि पीएम सुरक्षा के लिए अलग-अलग सुरक्षा एजेंसियां शामिल होती हैं। अनुभव न होने के चलते राजनीतिक दलों के प्रबंधकों को सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय में परेशानी का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि बेहतर सुरक्षा प्रबंधन के लिए राज्य व जिला अथॉरिटी को प्रधानमंत्री की बैठकों, रोड शो व रैली के लिए कार्यक्रम के स्थान पर सभी इंतजाम की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए जिसमें वह सभी सुरक्षा एजेंसियों व तय राजनीतिक नेताओं से संपर्क कर सकते हैं। इस सब के बाद ही चुनाव आयोग ने इस संबंध में पंजाब सरकार को निर्देश जारी किए हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2022 जनवरी माह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक का मामला भी सामने आया था। वह हुसैनीवाला में जनसभा को संबोधित करने आए थे तब कुछ प्रदर्शनकारियों ने उनका रास्ता रोक लिया था। इस दौरान वह करीब 15-20 मिनट तक वहीं फंसे रहे थे और बाद उनका काफिला वापस लौट गया था।

आवैसी का हमला, मोदी, शाह और योगी सभी के 6-7 भाई बहन

हैदराबाद । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ और दिवंगत अटल बिहारी वाजेपेयी के परिवार पर सवाल उठा दिया। पीएम मोदी के बयान को लेकर उन्होंने कहा, क्या हम (मुसलमान) घुसपैठिए और कई बच्चों वाले लोग हैं? क्या आप जानते हैं, कि अटल बिहारी वाजपेयी के कितने भाई-बहन थे। वाजपेयी को लेकर भाई-बहनों की संख्या 7 थी। क्या वह परिवार ज्यादा बच्चा पैदा करने वाला नहीं हुआ? क्या मुसलमान बहुत सारे बच्चे रखने वाले लोग हैं?

भारत का तेज, समावेशी और टिकाऊ विकास इंडिया गठबंधन कर सकता : जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधकर कहा कि भारत का तेज, समावेशी और टिकाऊ विकास इंडिया गठबंधन की सरकार ही कर सकती है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप भी लगाया कि पिछले 10 वर्षों में अधिकतर सार्वजनिक संपत्तियां और संसाधन एक या दो कंपनियों के हाथों बेच दिए गए। कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट किया, पीएम मोदी आपको ये सब कभी नहीं बताएंगे कि 2012 से 2021 तक देश में बनी संपत्ति का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सिर्फ एक प्रतिशत आबादी के पास गया है।

उन्होंने दावा किया कि देश में कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का लगभग 64 प्रतिशत गरीबों, निम्न मध्य वर्ग और मध्य वर्ग से आता है। रमेश ने कहा, पिछले दस वर्षों में अधिकतर सार्वजनिक संपत्तियां और संसाधन एक या दो कंपनियों के हाथों बिके हैं। अर्थशास्त्रियों ने बताया है कि अर्थव्यवस्था में बढ़ते एकाधिकार के कारण महंगाई बढ़ी है। उनके मुताबिक, आज 21 अरबपतियों के पास कुल मिलाकर 70 करोड़ भारतीयों से अधिक संपत्ति है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा, भारत को तेज आर्थिक विकास की जरूरत है। भारत को बहुत अधिक समावेशी आर्थिक विकास की आवश्यकता है। भारत को अधिक टिकाऊ पर्यावरणीय विकास की आवश्यकता है। केवल इंडिया गठबंधन ही यह तीनों कर सकता है और करेगा।

आप नेता का आरोप... पीएम मोदी 24 घंटे सीसीटीवी से केजरीवाल की निगरानी कर रहे

-जेल में रोज झाड़ू लगा रहे केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) नेता संजय सिंह ने मोदी सरकार पर अटैक कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चौबीसों घंटे सीसीटीवी से अरविंद केजरीवाल की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एलजी का ऑफिस भी इसी काम में लगा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री रोज तिहाड़ जेल में झाड़ू लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, आज मैं जो सच बताने जा रहा हूं, यह बात सुनकर सब हैरान हो जाएंगे...तिहाड़ जेल केजरीवाल के लिए यातना गृह बन गया है। आप को याद होगा कि हिटलर भी अपने विरोधियों के लिए यातना गृह बनाता था। आज वहीं हो रहा है।

आप नेता सिंह ने कहा, तिहाड़ में बंद केजरीवाल पर पीएमओ और एलजी ऑफिस 24 घंटे निगरानी रख रहा है। पीएम मोदी लिंक मंगा कर देखते हैं, कि केजरीवाल क्या कर रहे हैं। आखिर इतनी निगरानी क्यों है? क्या देख रहे हैं, क्या देखना चाहते हैं? केजरीवाल को दवा मिली कि नहीं? खाना मिला कि नहीं? कितना पढ़ रहे हैं? कितना लिख रहे हैं? आप देखना क्या चाहते हैं? आप ये देखना चाहते हैं कि केजरीवाल कितना बीमार हुए, उनका स्वास्थ्य बिगड़ा की नहीं? यह देखना चाहते है कि वह कितना टूटे, कितना मनोबल टूटा। एलजी भी इसी काम में लगे हुए है।

आप के राज्यसभा सांसद ने कहा, केजरीवाल से प्रतियोगिता करना है, तब काम की राजनीति करिए। बनाइए स्कूल और अस्पताल। सड़कें बनाइए... महंगाई कम कीजिए। महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करे। आप को किसानों, महिलाओं और युवाओं की चिंता करनी चाहिए। लेकिन आप केजरीवाल का मनोबल गिराने की चिंता कर रहे हैं। 24 घंटे उनकी निगरानी कर रहे हैं। आप के इस अत्याचार को पूरा देश देख रहा है। केजरीवाल जेल में रोज झाड़ू लगा रहे हैं। केजरीवाल जितना जेल में झाड़ू लगाएंगे, उतना भाजपा बाहर साफ होगी। पूरे देश से सफाया होगा।

संजय सिंह ने कहा, सारे नियम-कानून तोड़कर जेल में केजरीवाल के सीसीटीवी कैमरे का लिंक मंगाकर देख रहे हैं। इसलिए बार-बार दोहराना पड़ता है कि केजरीवाल के खिलाफ साजिश चल रही है। उनके खिलाफ कोई भी अनहोनी हो सकती है।

कांग्रेस के लिए झटका.... एनडीए गठबंधन को मिला मेगास्टार चिरंजीवी का साथ

अमरावती (एजेंसी)। लोकप्रिय टॉलीवुड हीरो और पूर्व केंद्रीय मंत्री कोनिडेला चिरंजीवी द्वारा एक वीडियो बयान में आंध्र प्रदेश में आगामी चुनावों के लिए तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), जनसेना पार्टी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच गठबंधन का स्वागत किया, जिससे राज्य की राजनीति में हलचल मच गई है। पेंडुरथी विधानसभा क्षेत्र से जनसेना पार्टी के प्रत्याशी पंचकरला रमेश बाबू और अनकापल्ली लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार सीएम रमेश के साथ मेगास्टार के रूप में मशहूर चिरंजीवी ने लोगों से समग्र विकास के लिए सही और ईमानदार उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की।

अपने संदेश में चिरंजीवी ने कहा कि मुझे राजनीति के बारे में बात करते हुए कई साल हो गए हैं। इतने वर्षों के अंतराल के बाद अब राज्य की राजनीति पर बोलने का मुख्य कारण मेरे छोटे भाई और जनसेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण हैं। चिरंजीवी ने कहा कि यह एक अच्छा विकास है कि पवन, टीडीपी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू और भाजपा नेतृत्व गठबंधन बनाने के लिए एक साथ आए हैं। मेरे लिए अब आपके सामने आने का एक और कारण यह है कि मेरे करीबी दोस्त सीएम रमेश और मेरे करीबी एक अन्य नेता पंचकरला रमेश चुनाव लड़ रहे हैं। वे अच्छे और कुशल हैं और मेरा दृढ़ विश्वास है कि वे अनाकापल्ली के विकास के लिए काम करना जारी रखने वाले है।

उन्होंने स्वीकार किया है कि आंध्र की राजनीति में हाथ आजमाने का उनका अनुभव सुखद नहीं रहा। उन्होंने 2009 के चुनावों में एनटी रामाराव जैसी तत्काल सफलता का स्वाद चखने की उम्मीद में, 2008 में बड़ी धूमधाम से प्रजा राज्यम की शुरुआत की। हालांकि, उनकी पार्टी को सिर्फ 18 सीटें ही मिलीं। मेगास्टार जैसे अहंकार बढ़ाने वाले ऊंचे नाम की सुंदरता के आदी चिरंजीवी के लिए, संयुक्त आंध्र प्रदेश में 294 विधायकों में से केवल एक होना एक बड़ी गिरावट थी।

बाद में उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया और बदले में उन्हें राज्यसभा सीट और केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय मिला। 2014 में कांग्रेस के सत्ता खोने के बाद, चिरंजीवी पूरे समय के लिए ग्रीसपेंट और स्टूडियो आर्क लाइट की परिचित दुनिया में लौट आए। चिरंजीवी के समर्थन ने आंध्र प्रदेश में कांग्रेस को भी आश्चर्यचकित कर दिया, जिसने पिछले दिन ही लोगों को याद दिलाया था कि अभिनेता अभी भी पार्टी के रिकॉर्ड के सदस्य हैं। वहीं इसके नेताओं ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तब वे कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए प्रचार भी कर सकते हैं। इस बात पर ध्यान न दें कि अभिनेता को कई वर्षों से कभी भी किसी पार्टी मंच पर नहीं देखा गया था।

पिछले हफ्ते, चिरंजीवी ने पार्टी के चुनाव खर्च में मदद के लिए अपने छोटे भाई और जन सेना के प्रमुख पवन कल्याण को 5 करोड़ रुपये का चेक भी दिया था। पवन ने खुद आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि वह 2014 से ही चिरंजीवी के आशीर्वाद का इंतजार कर रहे थे जब उन्होंने जन सेना लांच की थी।

सूत्रों का कहना है कि चिरंजीवी को काफी समय से सूक्ष्म तरीके से लुभाया जा रहा है। पिछले साल ऑस्कर में फिल्म आरआरआर की सफलता के बाद चिरंजीवी और अभिनेता-बेटे राम चरण को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में सम्मानित किया था। सीएम रमेश का दावा है कि उन्होंने उस बैठक में मदद की। रमेश का कहना है कि चिरंजीवी के प्रशंसक होने के अलावा, वह अभिनेता को उस दिन से व्यक्तिगत रूप से जानते हैं, जब उन्होंने 2012 में राज्यसभा के सदस्यों के रूप में एक साथ शपथ ली थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

'जनता का गद्दार, लोकतंत्र का हत्यारा', बैनर के साथ विरोध प्रदर्शन

सुरत में नीलेश कुंभानी के घर के सामने कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, सुरत लोकसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुंभानी का फॉर्म रद्द होने के बाद से ही बड़ा सियासी ड्रामा शुरूहो गया है. नीलेश कुम्भानी और उनके डमी उम्मीदवार का फॉर्म रद्द होने के बाद निर्दलीय समेत छोटे दलों के ८ उम्मीदवारों ने भी अपना फॉर्म वापस ले लिया. हालांकि, अब जब नीलेश कुंभानी आउट ऑफ टच हो गए हैं तो कांग्रेस में काफी गुस्सा फूट पड़ा है. आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नीलेश कुंभानी के घर के सामने विरोध प्रदर्शन किया. कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने च्जनता का गद्दार, लोकतंत्र का हत्याराज्ज लिखे बैनर के साथ विरोध प्रदर्शन किया गया. प्रदर्शनकारी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया गया था.

कांग्रेस की एक महिला कार्यकर्ता ने कहा कि नीलेश कुंभानी जनता को गुमराह करके सुरत से कहा भाग गए हैं. हम यहां जनता की ओर से जवाब मांगने आए हैं. उनका फोन दो दिन से बंद है. सुरत के लोग परेशान हैं. उन्होंने अपने रिश्तेदारों के साथ मिलकर न केवल कांग्रेस बल्कि लोकतंत्र की भी हत्या की है. फॉर्म रद्द होने के बाद नीलेश कुंभानी हाई कोर्ट या अन्य कार्रवाई करने के बदले गायब हो गए हैं.

कांग्रेस शहर उपाध्यक्ष दिनेश सावलिया ने कहा कि नीलेश कुंभानी ने लोकतंत्र की हत्या की साजिश रची है. इसका न सिर्फ राजनीतिक बल्कि सामाजिक तौर पर भी बहिष्कार किया जाना चाहिए. जब हम यहां विरोध करने आए तो हमें सरथाना पुलिस ने हिरासत में ले लिया.

नशे में इस्तेमाल होने वाली आयुर्वेदिक गोलियों से भरी टेंपो पकड़ी गई, किराना की दुकान से की जाती थी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, सुरत में पुलिस ने आयुर्वेदिक की आड़ में नशीली गोलियों की तस्करी के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है. नेटवर्क का भंडाफोड़ तब हुआ जब टेंपो की जांच की गई. टेंपो में ६.६५ लाख से अधिक कीमत की नशीली गोलियां ले जाई जा रही थीं। गोलियों से भरी टेंपो के साथ एक को पकड़ा गया.

एसओजी के मुताबिक गुप्त सूचना तब मिली जब स्टाफ के लोग गश्त पर थे.

गुप्त सुचना मिली थी की टेंपो में नशे में इस्तेमाल होने वाली आयुर्वेदिक गोलिया लाई जा रहा है, गुप्त सुचना के आधार पर गोडादरा क्षेत्र में मंगल पांडे हॉल के पास से गुजर रहे टेंपो को रोककर जांच की गई. जांच के दौरान संदिग्ध आयुर्वेदिक दवा की गोलियां पाई गईं.

आयुर्वेदिक के नाम पर बेची जाने वाली कुल ६६,५६० नशीली गोलियां जब्त की गईं. जिसकी कीमत ६,६५,६०० है. टेंपो चालक चंदू लाठिया को गिरफ्तार कर लिया गया. पूछताछ में पता चला कि आयुर्वेदिक गोलियां जड़ी-बूटियों से बनाई जाती हैं. जिससे नशा होता है.

यह किरानों की दुकानों पर पैसे लेकर ये गोलियां दी जा रही थी. जहां से पूरी बिक्री होती थी.

सुरत में निर्विरोध चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी ने कलेक्टर को लिखित ज्ञापन सौंपकर केस दर्ज करने की मांग की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, सुरत में लोकसभा चुनाव नाटकीय ढंग से निर्विरोध घोषित कर दिया गया है. जिससे यह घटना पूरे देश में गूंज उठी. मांग हो रही है कि पूरे आपराधिक कृत्य के दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए. आम आदमी पार्टी ने कलेक्टर कार्यालय में लिखित ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि शिकायत दर्ज कर पूरे मामले की उचित जांच कर कार्यवाही की जाए.

आम आदमी पार्टी ने कलेक्टर को लिखित ज्ञापन सौंपकर नीलेश कुंभानी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है. आप नेता मनोज सोरठिया ने कहा कि बीजेपी ने पूरी साजिश रची है. स्वतंत्र भारत के लोकतंत्र में यह पहली ऐसी शर्मनाक घटना है. लोकसभा चुनाव में साजिश रचकर लोकतंत्र को नष्ट करने का काम सुरत में किया गया है. आगे उन्होंने ने बताया की नीलेश कुंभानी का फॉर्म रद्द करने के लिए जो कारण बताए गए हैं, वे हमें सही नहीं लगते, लेकिन फॉर्म रद्द कर दिया गया है. भारतीय जनता पार्टी ने साजिश रचकर यह चुनाव नहीं होने दिया. पहले नीलेश कुंभानी के साथ मिलकर उनका फॉर्म रद्द कराने की साजिश रची और फिर जिस पार्टी के उम्मीदवार थे, उन्हें फॉर्म वापस लेने का लालच दिया. पूरे परिदृश्य को देखकर यह स्पष्ट है कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकतंत्र की हत्या की गई है. नीलेश कुंभानी के खिलाफ कार्यवाही कर पूरे देश में एक उदाहरण स्थापित किया जाना चाहिए, ताकि कोई इस तरह से लोकतंत्र की हत्या न कर सके.

सुरत के दो युवक को नवसारी में टेम्पो से सिगरेट चुराते हुए पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, एलसीबी को मिली सूचना के आधार पर सूरत के दो युवकों को नवसारी में झवेरी सड़क के पास दो टैंपों से सिगरेट चुराकर बेचने के मामले में गिरफ्तार कर दो अन्य वारदातों को सुलझाया गया. नवसारी झवेरी सड़क के सामने राकेश जैन के मालिक का टेम्पो सिगरेट के पैकेटों से भरा हुआ था. उसने इसका फायदा उठाकर अन्य सामान देने जाते समय उसके टेंपो का पिछला केबिन खोला और ५२७२५ रुपये कीमत के विभिन्न ब्रांड के ३४० पैकेट सिगरेट चोरी कर लिए.

एक अन्य घटना में दास बुधानी की दुकान के पास खड़े टेंपो के पीछे केबिन खोलकर ९१,८०० रुपये मूल्य के विभिन्न ब्रांडों के १०८० पैकेट सिगरेट चोरी होने की शिकायत थाने में दर्ज कराई गयी थी. एलसीबी पीआई दीपक कोराटे ने कर्मचारियों को चोरी की जांच करने का निर्देश दिया था. इस बीच, जांच कर रहे विपुल नानू और दिग्विजयसिंह मोरी को जानकारी मिली कि चोरी करने वाले युवक रिंग रोड के पास बड़ी मात्रा में सिगरेट बचने के लिए आने वाले हैं. सूचना के बाद एलसीबी कर्मियों ने दोनों युवकों को पकड़ लिया था. पूछताछ के दौरान उनके नाम दर्शन रमेश उनागर और नितिन वर्मा को गिरफ्तार किया गया और सिगरेट, मोबाइल, गाड़ी मिलाकर १.८३ लाख रुपए का नकद माल सामान जब्त किया गया. नवसारी पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों में से दर्शन उनागर पर चोरी सहित १२ से अधिक मामलें दर्ज है साथ ही नितिन वर्मा पर भी सूरत में चार, वलसाड में दारू की हेरफेर मामले में एक ऐसे कुल पांच मामलें दर्ज है.

'मोदी-शाह के सरकार गिराने के मॉडल के बाद सूरत में दिखा पाटिल का उम्मीदवार हटाने का मॉडल'-महाराष्ट्र के पूर्व सीएम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, आगामी लोकसभा चुनाव के लिए मतदान से पहले ही सुरत में जीत के साथ बीजेपी का खाता खुल गया है. हालांकि इस घटना के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चौहान ने सूरत का दौरा किया. उन्होंने बीजेपी और मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने कहा, ''अगर बीजेपी इस लोकसभा चुनाव में जीत गई तो देश में लोकतंत्र नहीं बचेगा.'' वर्तमान समय में भारत में आर्थिक एवं राजनीतिक भ्रष्टाचार चल रहा है. भारत में लोकसभा चुनाव से पहले नामांकन पत्र रद्द कर दिया जाता है और विपरीत पार्टी के उम्मीदवार को विजयी घोषित कर दिया जाता है. ऐसी घटनाएं लोकतंत्र को नष्ट कर देंगी. चुनाव आयोग को इस पूरी घटना को गंभीरता से लेना चाहिए और उचित कार्यवाही करनी चाहिए. हमारे पास चुनी हुई सरकारों को गिरते हुए देखने का अनुभव है. इस तरह की घटना महाराष्ट्र, कर्नाटक और अन्य राज्यों में हो रही है. अगर इस देश में लोकतंत्र को जिंदा रखना है तो मोदी सरकार को हटाना होगा.

सुरत आए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया. जिसमें उन्होंने कहा, 'पहले चरण में जो वोटिंग हुई है.

उनके आंकड़े देखकर मोदी बौखला गए हैं. इसलिए कांग्रेस पर तुष्टीकरण का झूठा आरोप लगाया जा रहा है. आगामी चुनाव दो विचारधाराओं का नहीं होगा. लेकिन मोदी और जनता के बीच का चुनाव है. मोदी सरकार अर्थव्यवस्था संभालने में विफल रही है. इससे देश में बेरोजगारी और महंगाई लगातार बढ़ रही है. आज युवा इंजीनियर भी डिलीवरी ब्वॉय बन रहे हैं.

देश में मोदी-शाह मॉडल जनता द्वारा चुनी हुई सरकार को उखाड़कर अपनी सरकार बनाने का मॉडल है साथ ही सूरत में उम्मीदवार को हटाने का पाटिल मॉडल भी सामने आया है.'

सुरत में बीजेपी प्रत्याशी की निर्विरोध जीत पर बोले पृथ्वीराज चौहान

सुरत में बीजेपी प्रत्याशी की निर्विरोध जीत पर पृथ्वीराज चौहान ने कहा, 'इस समय देश में आर्थिक और राजनीतिक भ्रष्टाचार बढ़ रहा है. सूरत की घटना इसका उदाहरण है. यह लोकतंत्र के लिए घातक होता जा रहा है. मोदी कैशलेस लेनदेन की बात करते हैं. लेकिन उन्होंने इलेक्ट्रिक बांड के माध्यम से केसलेस भ्रष्टाचार शुरू कर दिया है और चुनाव बांड के नाम पर बड़ा भ्रष्टाचार किया है. उन्होंने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, 'जो विकास की गति मनमोहन सरकार में थी. उस तरह से अगर शहर विकसित होता तो आज भारत देश का पांचवां नहीं बल्कि तीसरा आर्थिक रूप से मजबूत देश बन सकता था.

इस बार अगर बीजेपी चुनाव जीत गई तो न तो देश का संविधान बच पायेगा और न ही लोकतंत्र. सुरत लोकसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार नीलेश कुम्भानी का फॉर्म रद्द कर दिया गया. इसके बाद निर्दलीय और अन्य पार्टियों के उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली. इसको लेकर सुरत सीट पर बीजेपी उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध विजेता घोषित कर दिया गया है. इस मामले को लेकर कांग्रेस अब कोर्ट जाने की तैयारी कर चुकी है.

हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में अग्रवाल समाज ट्रस्ट द्वारा शांति यज्ञ का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, अग्रवाल समाज ट्रस्ट द्वारा हर महीने की अमावस एवं पूनम को घोड़दौड़ रोड स्थित अग्रवाल समाज भवन में शांति हवन किया जाता है. हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में ट्रस्ट की योग प्रशिक्षण समिति द्वारा हवन का आयोजन किया गया. मोतीलाल झाझडिया द्वारा हवन विधि का संचालन किया गया. हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में हवन के दौरान हनुमानजी की विशेष पूजा अर्चना की गई एवं यज्ञ में आहुति दी गई. आयोजन में योगाचार्य पवन मित्तल, बनवारीलाल पोद्दार, विजय गुप्ता, गोकुल बजाज, ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील बजाज, दामोदर पोद्दार, अशोक पोद्दार, विजय खेमानी, विजय गोयल सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें.

पुलिस ने सड़क पर राहगीरों से मोबाइल फोन छीनने वाले दो आरोपियों को पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, कड़ोदरा जीआईडीसी पुलिस ने सड़क पर चल रहे राहगीरों के मोबाइल फोन छीनने वाले दो शख्सो को पकड़ा है. गिरफ्तार शख्सो की पहचान प्रफुल्ल पाटिल और नरेश पाटिल के रूप में हुई. पुलिस आगे की कार्यवाही में जुट गई है.

कडोदरा पुलिस थाना के जवान पेट्रोलिंग पर थे. इसी बीच गुप्त सूचना मिली कि होंडा कंपनी की साइन मोटरसाइकिल पर दो शख्स बारडोली से कड़ोदरा की ओर आ रहे हैं. जिसके आगे और पीछे नंबर प्लेट नहीं है और वे मोबाइल चोरी करते है. इनके पास चोरी के मोबाइल हैं, इनमें से एक ने भूरे रंग की डिजाइन वाली शर्ट और कमर में काली जींस पहन रखी है. वहीं दूसरे ने ग्रे टी-शर्ट और ब्राउन पैंट पहना रखी है. जानकारी के आधार पर, पुलिस ने कडोदरा जीआईडीसी पुलिस सीमा के बारडोली-कडोदरा रोड पर मोदी अस्पताल के पास एक निगरानी स्थापित की थी. जैसे ही दोनों शख्स वह पहुंचे पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था.

गिरफ्तार शख्सो से पुलिस ने पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि वे अलग-अलग जगहों से सड़क पर चल रहे राहगीरों से मोबाइल छीनते थे. पुलिस ने चार मोबाइल, एक बाइक और कुल १,१३,९९९ रुपये के नकद माल सामान जब्त किया. गिरफ्तार शख्सो की पहचान प्रफुल्ल पाटिल और नरेश पाटिल के रूप में हुई. पुलिस आगे की कार्यवाही में जुट गई है.